विभाग
पत्रावली सं०

1

टीपें एवं आख्या
Notes & Order

<u>कुलसचिव</u> दिनॉक: 13.11.2014

कुलपति कार्यालय के आदेश सं VC/OSD/MEMO/750 दिनॉक 07.11.2014 के कम में अवगत कराना है, कि विश्वविद्यालय के प्रचार प्रसार तथा छात्रों के प्रवेश हेतु दिनॉक 17.11.2014 से 22.11.2014 तक कुमॉऊ तथा गढवाल के विभिन्न स्थानो पर Promotional tour का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है,

कम सं	स्थान	सदस्यो का विवरण
01	हल्द्वानी	डॉ0 रन्जू पाण्डें, डॉ0 प्रीती बोरा, कु0 तन्वी शर्मा, डॉ0 रूपाली जोशी
02	रानीखेत	डॉ0 घनश्याम जोशी, डॉ0 राजेन्द्र कैडा, डॉ0 श्याम कुंजवाल
03	बगेश्वर	डॉ0 चारू पंत, श्री विनोद बिरखानी,श्री राजेन्द्र क्वीरा
04	पिथौरागढ	श्री ललित मोहन भट्ट, डॉ0 कमल देवलाल, श्री राजेश आर्या
05	पौढी	श्री सिद्वार्थ पोखरियाल,श्री नरेन्द्र जगूडी, डॉ0 सुमित कुमार
06	उत्तरकाशी	डॉ0 सुभाष रमोला, डॉ0 राजीव राणा,
07	देहरादून	डॉ0 राकेश रयाल और कैम्प कार्यालय देहरादून से सदस्य
08	रूडकी	डॉ0 अख्तर अली, डॉ0 विरेन्द्र कुमार, डॉ0 दिनेश कुमार

प्रत्येक टीम के लिये विश्वविद्यालय द्वारा दो बैनर तथा लगभग 2500 ब्रोचर बनवाये जायेगें तथा नियमानुसार किराये के वाहन की व्यवस्था एवं सदस्यों हेतु मानदेय का भुगतान किया जायेगा।

विश्वविद्यालय के प्रचार प्रसार हेतु उपरोक्त आयोजन के लिये वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति तथा प्रत्येक टीम के लिये रू 15000.00 (पंद्रह हजार मात्र) अग्रिम स्वीकृत करने के लिये पत्रावली प्रस्तुत।

13/11/14
(डॉ0 एम0 एम0 जोशी)

कुलसचिव 13/XI/2014
वि.नि.

13/548
13/11/2014

उप-कुल सचिव/वित्त नियन्त्रक

उपरोक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध मे निम्न लिखित बिन्दुओं पर विचार करना उचित प्रतीत होता है—

1- Promotional tour के अन्तर्गत किन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रचार किया जायेगा यह भी स्पष्ट किया जाय तो कार्यक्रम अधिक प्रभावी बनाए जा सकते हैं।

2. Promotional tour हेतु 8 टीमों हेतु आठ वाहनों की व्यवस्था तथा अग्रिम 15000/= (प्रत्येक टीम) का कुल अनुमानित व्यय भी अंकित करना समीचीन होगा।

3 - सदस्यों हेतु मानदेय का उल्लेख है। मानदेय की दर का उल्लेख करना भी उचित होगा।

विचारार्थ / आ० का० हेतु प्रस्तुत

14-11-14

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

विभाग

पत्रावली सं०

टीपें एवं आख्या
Notes & Order

— 02 —

डॉ० एम० एम० जोशी

कृ० टीप पृ० - 01 पर लेखा अनुभाग की टिप्पणी के आलोक में कार्यक्रम की संशोधित तिथियों सहित आख्या,

15/11

DR/FC

R2/1306
15/11/14

टीप संख्या 1 में वित्त विभाग द्वारा वांछित सूचना निम्न है।

1. कुलपति जी के आदेश दिनांक नवम्बर 7, 2014 के अनुसार विश्वविद्यालय के प्रचार–प्रसार तथा छात्रों के प्रवेश हेतु टीमों का 6 दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है।(संलग्न 'क')

2. Promotional Tour के लिये 8 टीमों हेतु 8 वाहनों की आवश्यकता होगी जो कि पूर्व की भाँति विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी। प्रत्येक टीम हेतु रू0 15000/– अनुमानित व्यय आवास/भोजन आदि में होगा, अतः 8 टीमों हेतु कुल अनुमानित व्यय रू0 1,20000(रूपया एक लाख बीस हजार) मात्र होगा। प्रत्येक टीम में निम्न सदस्यों द्वारा अग्रिम लिया जायेगा।

1. डॉ0 रन्जू पाण्डे
2. डॉ0 राजेन्द्र कैडा
3. डॉ0 चारू चन्द्र पंत
4. डॉ0 कमल देवलाल
5. श्री सिद्धार्थ पोखरियाल
6 डॉ0 सुभाष रमोला
7. डॉ0 राकेश रयाल
8. डॉ0 विरेन्द्र कुमार

3. मानदेय हेतु पृथक दरें इंगित नहीं हैं, अतः नियमानुसार आवास /भोजन हेतु रू0 15000/–बिंदु 2 में अंकित है।

4. प्रचार–प्रसार हेतु संभावित पुनरीक्षित कार्य नवम्बर, 2014 के अंतिम सप्ताह में अपेक्षित है।

5. विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक टीम को दो बैनर (कुल 16 बैनर) उपलब्ध कराये जायेगें जिन पर अनुमानित व्यय 10,000.00/– (रूपया दस हजार) मात्र होगा। जिसका बिल के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा भुगतान किया जायेगा।

चूँकि विश्वविद्यालय का यह महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम है, अतः विश्वविद्यालय हित में अग्रिम स्वीकृत हेतु पत्रावली प्रस्तुत।

17/11/14

A.R

(Dr. M.M. Joshi)
Convener

विश्वविद्यालय व उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार हेतु उत्तरकाशी जिले का भ्रमण

दिनांकः 12 जुलाई 2011 से 21 जुलाई 2011 तक

दल के सदस्य – डॉ0 घनश्याम जोशी,डॉ0 सुभाष रमोला, द्विजेश उपाध्याय

विश्वविद्यालय द्वारा गठित तीन सदस्यों के एक दल ने उत्तरकाशी जिले के उत्तरकाशी शहर, भटवारी, डुण्डा, चिलियाणीसौंड़ व नौगांव ब्लाकों के विभिन्न राजकीय इंटर कालेजों, पॉलिटेक्निक कालेजों, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्रों, निजी शिक्षण संस्थानों, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों, एन0आई0एम0 उत्तरकाशी, आई0टी0बी0पी0 के अतिरिक्त स्वयं सेवी संस्थानों, गावों का भ्रमण किया।

इन संस्थानों के भ्रमण के दौरान दल ने संस्थानों के प्रमुखों से उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर इलाकों में उच्च शिक्षा की स्थिति पर वार्ता की तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया। दल के सदस्यों ने छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षा के विषय में जानकारी दी और उनकी अनेक भ्रान्तियों, भविष्य सम्बन्धि समस्याओं का निराकरण भी किया। सभी स्थानों पर पैम्प्लेट, ब्रोशर भी वितरित किये गये।

दिनांक 13 जुलाई को दल चिलियाणीसौंड होते हुए उत्तरकाशी पहुंचा। दल द्वारा चिलियाणीसौंड में दिशा नामक एन0जीओ0 के प्रमुख से अध्ययन केन्द्र खोलने के विषय में चर्चा हुई। स्थानीय स्तर पर भी लोगों से विश्वविद्यालय के उद्देश्यों तथा विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमो पर चर्चा हुई।

14 जुलाई को दल ने भटवारी ब्लॉक के तीन राजकीय इंटर कॉलेजों का भ्रमण किया, जहॉ पर दल ने कॉलेज के प्रधानाचार्यों से उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर इलाकों में उच्च शिक्षा की स्थिति पर वार्ता की तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया। उसके उपरान्त दल ने 11 वीं व 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों के साथ उनकी कक्षाओं में जाकर उच्च शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षा के विषय में जानकारी दी और उनकी अनेक भ्रान्तियों, भविष्य सम्बन्धि समस्याओं का निराकरण भी किया। इसके अतिरिक्त दल ने मनेरी इंटर कालेज में एस0एस0ए0 द्वारा चलाए जा रहे अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में जा कर शिक्षकों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं के विषय में बताते हुए उनसे आग्रह किया गया कि वो अपने कार्यक्षेत्रों में विद्यार्थियों व पढाई छोड़ चुके लोगों को उच्च शिक्षा के विषय में जागरुक करें। दल ने रैथल गॉव का भी दौरा किया तथा वहॉ के भूतपूर्व ब्लाक प्रमुख श्री चन्दन सिंह राणा एवं ग्राम प्रधान श्री मनोज राणा से वार्ता

Tour Report

29th August to 02nd September, 2011

District Bageshwar

Submitted By:

Dr.Gagan Singh

Dr. Deepak Paliwal

Dr. Ghanshyam Joshi

Dr. M.M. Joshi

Tour Report – Bageshwar District

Day One and Two

Team reached bageshwar around 8.30 am on 29/8/11. The team started his work on the morning of 30/8/2011. The first task taken up by team was visiting the Regional centre of Bageshwar District established in the Governmnet Degree College, Bageshwar. The team reached the regional centre around 9.00 am and had a long discussion with the Regional Director, Dr. Bhupendra Tewari regarding the progress of the University various study centers located in the district and the and the views and attitudes of the students towards the various programmes offered by the university and handed over 100 prospectus as demanded by them, after a long discussion a plan was prepared with the help of Regional director to visit the various interiors areas of bageshwar. Around 11 am team left the regional centre and proceeds towards the kakpot which is around 32 km from bageshwar, though due to heavy rain in the district road was not upto mark and its takes around 1.30 hrs to reach kapkot, around 1.00 pm the team reached kapot, after reaching kakpot team visited the Degree college and met the Principal Dr. J.S. Rawat and the faculty members of the colleges and have a discussion regarding the courses offered by the University.

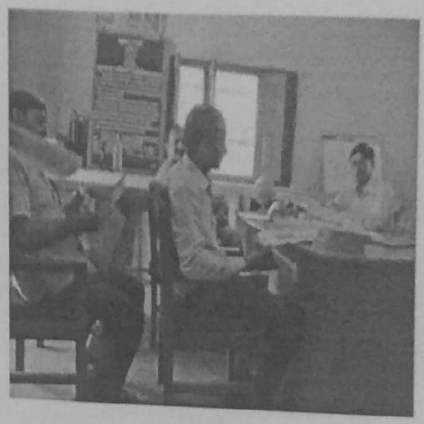

A positive approached have been seen among the principal and faculty members to open the University centers in the College, so that students of nearby areas get benefited by the professional courses offered by the university. The programmes suggested by the faculty members are Diploma course in fine arts, ghanit jyotish, programmes of allopathy and also short term courses of Home Science. The team left Kapkot to visit nearby areas Bharari which is around 2km from kapkot. The team has a public awareness campaign in the village Bharari, were lot of enthusiasm and positive approached have been seen among the villagers and youth towards the courses and the methodology adopted by the university to provide quality education.

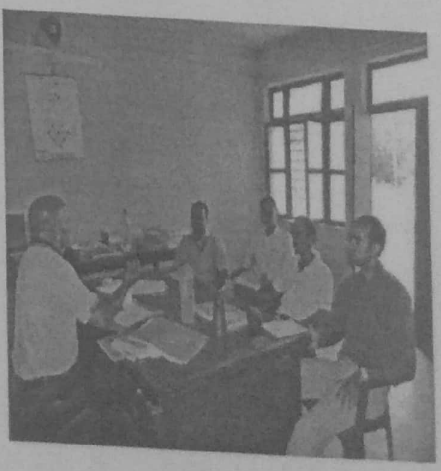

Day 3

A small village Sama/kasba about 22 km was visited by the team members. Teams first visited the study centre of UOU named GIC Shama and meet the co-coordinator Mr. Diwan Singh, at

first sight Diwan singh make the impression by his positive attitude and zeal to do something for the villagers or youth of the shama, according to him he will try his best to enrolled more 100 students in the centers . There is also discussion with the villagers of the Liti Village, adjoining village of Sama. The team members explained the importance of distance education among villagers and encouraged them to enroll themselves in various courses offering by Uttarakahnd Open University. The coordinator of Sama GIC provided us the detailed of the enrolled students in the study centers till date and also share the problems faced by the study centres.

According to him the exam centre should be continued in the coming years in the large interest of the students and bank challan should also be allowed in Regional Rural Banks. He Assured that very soon he will organize a counseling session at Liti village to aware the people of the village about courses of Uttarakahnd Open University.

Day 4

After a Positive response at sama, team started the journey to Kanda on 1/9/2011. Team first reached the Study Centre of the University, GIC Kanda and try to contact the Co-coordinator of the centre Mr.Verma, but he was on the leave, so the team members started the discussion with the students of Gic with the dual permission of the Principal, Team members distributed the Pamphlets of the University products and answer the queries of students regarding the courses. Team also visited the Govt Degree College Kanda and after a long discussion with the Principal of the college, Dr. B. D. Kandpal, Team address the students in the classroom and explained in detail the importance of distance education and the programmes offered by the university.

The Principal of the college assured that College will run our study centre very soon and fulfil all the necessary formalities. Then team visited the GGIC, kanda and distributed the brouchers among the girls students and tell them about the programmes which are benefited for them in the future. The Principal of the college, Mr. Hem Chandra Pant assured us that he will cooperate with us and also guide and motivate the girl's students to enroll with the various programmes of the university.

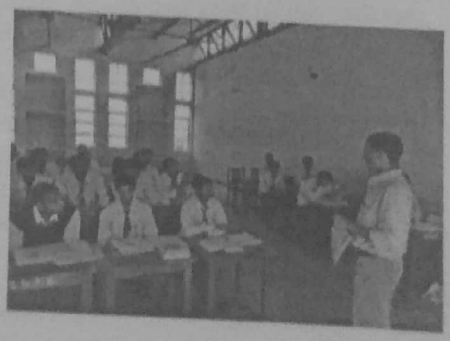

Then team went to ITI Kanda with is about 5km from Degree college kanda, team meet the ITI students and discussed with them in details the various short term courses offered by the university which may be very useful in their future endeavor, a lot of queries were raised from the students regarding the courses which were solved by the Team members, the team after a fruitful discussion with the students move to Government Polytechnic with is next to ITI. The main intention to visit polytechnic was to have broader discussion with the students which have education upto 10+2, the team members did a broader discussion with the students, suggestions and comments was made by the students, students suggests that some short term courses with more emphasis with practical training should be started by the university. The team members were impressed by the suggestions made by the Faculty Member Mr. Kamal Pandey, according to him University must start a course in which students get internship and a certificate by the university so that students get dual benefit of internsip+training+certificate which will help to achieved their target.

Day 5

Team reached Garur around 7.00 pm and start working on the morning of 2/9/11. The team first visited Government Inter College, vazula and meet the principal Madan Ram Arya, which give his consent to open the study centre of the University and said that some of their staff members are also enrolled in the university programmes and if centre is opened here it is going to help the nearby students of villages which are unable to carry on their study in regular mode due to various reasons.

The team left the GIC, Vazula and went to sarakot which is the last village of garaur next to sarakot is Gawaldam which is in gahrwal region means we reached the last village of kumaun reagion, were team meet Mr..... and after having a long discussion with him, he requested to kindly permit us to open the university study centre, as the village is very far from the college, so youth leave study in between, if study centre is opened here it will fill the gap between the students who want to carry on their study.Team members provided the application form and other detailed as required by him after seeing the infrastructure facilities of the institute. Then team way back to Kausani, were team reached Government Inter College, and meet the principal Shri R.C.Joshi, according to him earlier they were not aware of the Open University Centre but now they are full aware of the university and its work they are performing for the welfare of the students who are unable to carry on their education, they assured us that they will do their best to give students especillay rural students a quality and professional education as per their interest.

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, तीनपानी बायपास, हल्द्वानी, नैनीताल - 263139

फोन: 05946-261122 फैक्स: 05946-264323 टोल फ्री न. 18001804025

e-mail: info@uou.ac.in Website: www.uou.ac.in

उच्च शिक्षा आपके द्वार

उम्मीद की एक किरण है उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रवेश की अंतिम तिथि

छमाही पाठ्यक्रमों के लिए 31 अक्टूबर, 2015

वार्षिक पाठ्यक्रमों के लिए 31 जनवरी, 2016

यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है ,जो पूरे प्रदेश में फैला है .विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुँचाना है । विश्वविद्यालय पाठ्यसामग्री, काउंसिलिंग और नवीनतम प्रौद्योगिकी की सहायता से उच्च शिक्षा को छात्रों तक पहुँचाता है।

मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम

हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार (एमजेएमसी), कॉमर्स (एम कॉम), समाज कार्य (एमएस डब्ल्यू), पर्यटन प्रबंध, होटल प्रबंध, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), योग, एलएलएम, इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी (एमएस-सी आई टी), कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए), जियो इन्फोर्मेटिक्स, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान।

स्नातक पाठ्यक्रम

कला में स्नातक (बीए), कॉमर्स (बीकाम), विज्ञान में स्नातक (बीएस-सी), कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए), मैनेजमेंट में स्नातक (बीबीए), पर्यटन में स्नातक (बीटीएस), होटल मैनेजमेंट में स्नातक (बीएचएम)।

बीए : एक विषय के रूप में - हिंदी , संस्कृत, उर्दू,अंग्रेजी ,ज्योतिष ,कर्मकांड ,शिक्षाशास्त्र ,राजनीति शास्त्र, लोक प्रशासन , अर्थशास्त्र ,इतिहास ,मनोविज्ञान ,समाजशास्त्र ,गृह विज्ञान ,संगीत (गायन, स्वर वाद्य व तबला)।

बीएस-सी : एक विषय के रूप मे - जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान ,रसायन विज्ञान ,भौतिकी विज्ञान ,गणित ,जैव-प्रौद्योगिकी ,वानिकी ,भूगोल।

पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

कम्प्यूटर एप्लीकेशन, आपदा प्रबंधन, जियो इन्फोर्मेटिक्स, पत्रकारिता एवं जनसंचार, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया, साइबर लॉ, मानव संसाधन प्रबंध, मार्केटिंग मैनेजमेंट आदि।

...ा पाठ्यक्रम

कम्प्यूटर एप्लीकेशन, सब्जी एवं फल संरक्षण, फलित ज्योतिष, टूरिज्म स्टडी, होटल प्रबंध, आवास प्रबंध, रेस्तरां सहित प्रबंध, फूड प्रोडक्शन प्रबंध, फ्रंट ऑफिस प्रबंध, कॉमर्शियल होर्टिकल्चर, जल स्वास्थ्य एवं समुदाय पोषण, योग व प्राकृतिक चिकित्सा।

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

मास मीडिया, उर्दू कोर्स, जियो इन्फोर्मेटिक्स, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, कार्यालय प्रबंध, सब्जी उत्पादन, गृह वाटिका, औषधीय एवं सुगन्धित पौध, जैविक कृषि, सब्जी एवं फलों का घरेलू स्तर पर परिरक्षण, कार्यालय प्रबंध, आयुर्वेदिक आहार एवं पोषण, आयुर्वेदिक ब्यूटी केयर, हर्बल मसाज, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी उत्पादन, योग डिजाइन, प्राकृतिक चिकित्सा, पंचायती राज, फलित ज्योतिष, वैदिक कर्मकांड, टेक्नीकल एक्सीलेंस, औद्योगिक प्रशिक्षण, बेसिक सर्वेशॉप टेक्नीक।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी है, विस्तृत जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

विशेष नया-

1. बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा - दृश्य माध्यम) द्विवर्षीय पाठ्यक्रम
2. ई- गवर्नेंस एण्ड साइबर सिक्यूरिटी में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
3. साईस कम्युनिकेशन स्किल में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

आवेदन पत्र या प्रॉस्पेक्टस हमारे मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्रों और अध्ययन केन्द्रों पर 10 अगस्त 2015 से प्राप्त किये जा सकते हैं.

क्षेत्रीय कार्यालय :

देहरादून
Shri Guru Ramrai P G College, Pathri Bagh, Dehradun; Email: dehradun@ucu.ac.in
Phone: +91-9412031183

रुड़की
B. S. M. P. G. College, Roorkee; Email: roorkee@ucu.ac.in
Phone: +91-9412439436

पौड़ी
Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Pauri ; Email: pauri@ucu.ac.in
Phone: +91-9412991540

उत्तरकाशी
Government College Uttarkashi ; Email: uttarkashi@ucu.ac.in
Phone: +91-9411145096

हल्द्वानी
M. B. P. G. College, Haldwani ; Email: haldwani@ucu.ac.in
Phone: +91-9411162527

रानीखेत
Govt PG College, Ranikhet ; Email: ranikhet@ucu.ac.in
Phone: +91-7579132534

पिथौरागढ़
Govt P.G. College, Pithoragarh; Email: pithoragarh@ucu.ac.in
Phone: +91-9412093679

बागेश्वर
Govt P.G. College Bageshwar ; Email: bageshwar@ucu.ac.in
Phone: +91-9412044914

विश्वविद्यालय प्रचार अभियान – नवम्बर, 2014

आख्या

टीम सदस्य – डॉ. राजेन्द्र कैड़ा एवं डॉ. श्याम कुंजवाल

क्षेत्र – रानीखेत (रानीखेत, द्वाराहाट, भिक्यासैन, स्याल्दे, देघाट, भतरौजखान)

प्रारम्भ – प्रस्तुत टीम द्वारा 27 नवम्बर को प्रातः 08 बजे रानीखेत के लिए प्रस्थान किया गया.

रानीखेत - टीम ने सबसे पहले रानीखेत क्षेत्रीय केन्द्र में क्षेत्रीय निदेशक डॉ.बी.के.सिंह के साथ संक्षिप्त विचार विमर्श कर उक्त क्षेत्र में व्याप्त संभावनाओं तथा अध्ययन केन्द्रों की स्थिति के बारे में जानकारी ली. क्षेत्रीय निदेशक डॉ.बी.के.सिंह ने अपने क्षेत्रीय केन्द्र की स्थिति को लेकर संतोष व्यक्त किया तथा मुक्त विश्वविद्यालय के प्रचार-प्रसार में सहयोग का आश्वासन दिया. इसके पश्चात टीम द्वारा निकटवर्ती अध्ययन केन्द्रों एवं विद्यालयों का भ्रमण कर सभी स्थानों पर तत्संबंधी व्यक्तियों एवं छात्रों को मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की विधिवत जानकारी प्रदान की.

रानीखेत क्षेत्र के अंतर्गत टीम द्वारा निम्नलिखित संस्थानों/विद्यालयों का भ्रमण किया –

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत

भोलेबाबा आयुर्वेदिक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, रानीखेत

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, रानीखेत

INET एकेडमी, रानीखेत

कुमाऊं कम्युनिटी कॉलेज, रानीखेत

राजकीय इंटर कॉलेज, नौगाँव, रानीखेत

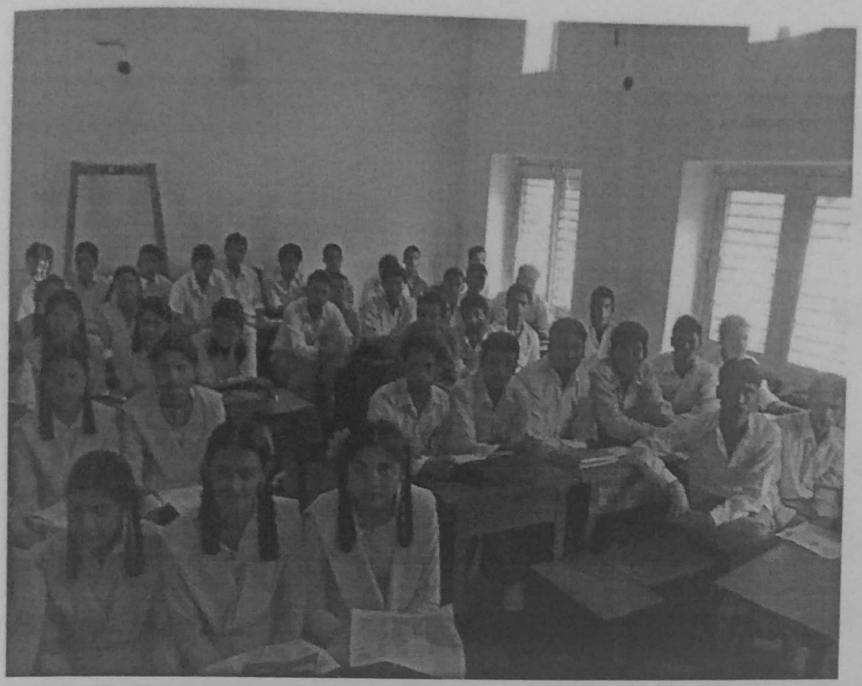

द्वाराहाट – 27 नवंबर को ही टीम के सदस्यों द्वारा द्वाराहाट के लिए प्रस्थान किया गया. वहाँ सर्वप्रथम राजकीय महाविद्यालय, द्वाराहाट में उपस्थित छात्रों एवं शिक्षकों को मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी तथा छात्र/छात्राओं की शंकाओं का समाधान किया. अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ. प्रेम प्रकाश द्वारा टीम को वर्तमान सत्र में अब तक हुए प्रवेश की स्थिति से अवगत कराया गया.

द्वाराहाट क्षेत्र के अंतर्गत टीम द्वारा निम्नलिखित संस्थानों/विद्यालयों का भ्रमण किया

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, द्वाराहाट

नचिकेता इंस्टिट्यूट ऑफ एज्युकेशन एंड टेक्नॉलजी

कुमाऊं पब्लिक स्कूल, मल्ली मिरई, द्वाराहाट

28 नवम्बर की प्रातः टीम द्वारा पुनः प्रचार कार्य प्रारम्भ किया गया .

टीम द्वारा सर्वप्रथम राजकीय महाविद्यालय, चौखुटिया का भ्रमण किया गया. महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. मीनू श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सभी उपस्थित छात्र/छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय के संक्षिप्त परिचय के पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नवीन छात्रोपयोगी पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रदान दी गई. इसके पश्चात टीम द्वारा स्थानीय राजकीय कन्या इंटर कॉलेज एवं राजकीय इंटर कॉलेज का भ्रमण कर विश्वविद्यालय का प्रचार कार्य किया गया. विश्वविद्यालय प्रचार टीम द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज, बसेड़ी के छात्रों के सम्मुख भी

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नवीन छात्रोपयोगी रोजगारपरक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान दी गई.

इसके पश्चात प्रचार टीम ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, स्याल्दे का भ्रमण किया. स्याल्दे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी.एस.मेहता की अध्यक्षता में सभी उपस्थित छात्र/छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय के संक्षिप्त परिचय के पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नवीन छात्रोपयोगी पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रदान दी गई तथा छात्रों की शंकाओं का समाधान किया गया. प्रचार कार्य को आगे बढाते हुए टीम देघाट पहुँची. टीम ने स्थानीय राजकीय कन्या इंटर कॉलेज एवं राजकीय इंटर कॉलेज का भ्रमण कर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नवीन छात्रोपयोगी पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रदान दी गई.

29 नवंबर को प्रातः 09 बजे टीम द्वारा देघाट के स्थानीय युवा सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री कैलाश रावत, श्री शंकर रावत एवं उनके साथियों के साथ बैठक की गई. बैठक में टीम द्वारा स्थानीय छात्र/छात्राओं हेतु दीर्घकालिक लाभ के पाठ्यक्रमों के विषय में विस्तार बताया गया तथा क्षेत्र में स्थानीय अध्ययन केन्द्र खुलने से होने वाले लाभों की भी चर्चा की.

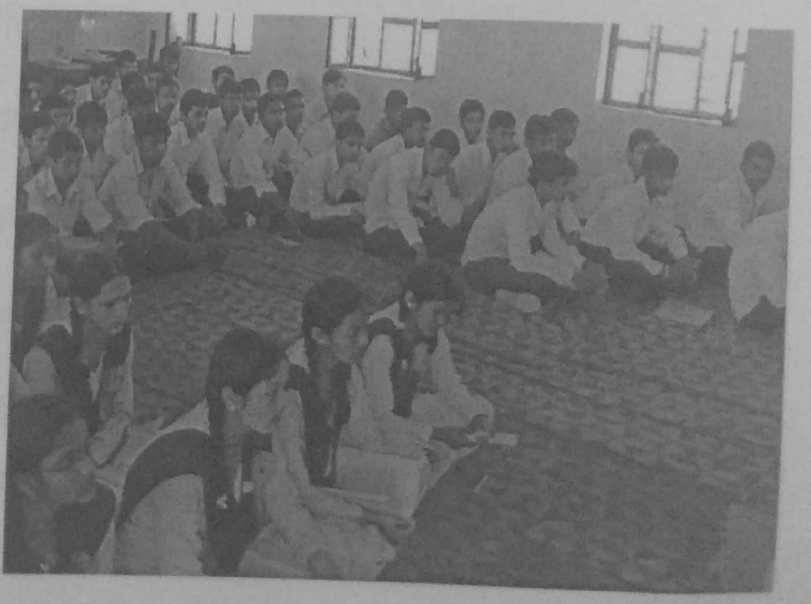

इसके पश्चात टीम द्वारा भिकियासैंण की ओर प्रस्थान किया गया तथा वहा पहुच कर सर्वप्रथम

राजकीय महाविद्यालय, भिकियासैंण का भ्रमण किया गया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच.एल.अरोड़ा की अध्यक्षता में डॉ. पंकज प्रियदर्शी के सहयोग से सभी उपस्थित छात्र/छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय के संक्षिप्त परिचय के पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नवीन छात्रोपयोगी पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रदान दी गई. इसके पश्चात टीम द्वारा स्थानीय राजकीय कन्या इंटर कॉलेज एवं राजकीय इंटर कॉलेज का भ्रमण कर विश्व विद्यालय का प्रचार कार्य किया गया तथा टीम द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय एवं उसके पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में छात्रों एवं उपस्थित समुदाय की शंकाओं का समाधान किया. राजकीय इंटर कॉलेज, चौनलिया में स्थापित अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ. आर.के.श्री वैष्णव का स्थानांतरण अन्यत्र हो जाने से अध्ययन केन्द्र के कार्यों में बाधा आ गई है. इस सम्बन्ध में टीम द्वारा प्रधानाचार्य से वार्ता की गई तथा शीघ्र इस सम्बन्ध में उचित कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया.

राजकीय इंटर कॉलेज,भिकियासैंण

इस क्षेत्र में प्रचार-टीम द्वारा निम्नलिखित संस्थाओं/विद्यालयों का भ्रमण किया गया-

राजकीय इंटर कॉलेज, चौनलिया

राजकीय इंटर कॉलेज, जीनापानी

राजीवगांधी नवोदय विद्यालय, चौनलिया

राजकीय इंटर कॉलेज, मछोड़ राजकीय महाविद्यालय, भतरौंजखान

पूरे प्रचार कार्य के अंतर्गत प्रचार टीम द्वारा विभिन्न स्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं में विश्वविद्यालय की प्रचार सामग्री का वितरण समुचित रूप से किया

गया. इस प्रकार प्रस्तुत टीम द्वारा माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार प्राप्त उत्तरदायित्त्व का निर्वहन सम्पूर्ण निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता के साथ संपन्न किया गया.

प्रचार कार्य के दौरान दो अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों से टीम सदस्यों की की वार्ता मात्र दूरभाष के माध्यम से हो सकी

1. श्री.प्रमोद बलोदी – चाणक्य एकेडमी ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़(17057) भतरौंजखान

2. श्री.विनोद कुमार – भीमराव आंबेडकर एडुकेशनल सोसायटी(17061) मासी

टीम द्वारा की गई वार्ता में में दोनों ही समन्वयक अपने अध्ययन केन्द्रों में उपस्थित नहीं थे परन्तु टीम द्वारा श्री.विनोद कुमार से की गई वार्ता से प्रचार टीम के सदस्य असंतुष्ट हैं तथा इस सम्बन्ध में उचित कार्यवाही की अनुशंसा करते हैं.

प्रस्तुत टीम द्वारा इस प्रचार अभियान के महत्त्व को रेखांकित किया जाता है. विश्वविद्यालय के हित में आयोजित किए गए इस प्रचार अभियान के सभी सदस्यों सहित डॉ. मदन मोहन जोशी इसकी सफलता हेतु बधाई के पात्र हैं.

डॉ. राजेन्द्र कैड़ा

डॉ. श्याम कुंजवाल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखण्ड के दूरस्थ जनपद उत्तरकाशी तथा नई टिहरी में उच्च तथा मुक्त शिक्षा के प्रति जन जागृति फैलाने हेतु किया गया एक प्रयास

प्रचार एवं प्रसार संदर्भित शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा उच्च शिक्षा के प्रति जन जागृति फैलाने तथा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्यों को उत्तराखण्ड के ग्रामीण इलाकों में जन–जन तक पहुँचाने हेतु प्रचार एवं प्रसार संदर्भित शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम "उच्च शिक्षा – आपके द्वार" संचालित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की ओर से डॉ0 सुभाष चन्द रमोला तथा श्री विनोद बिरखानी के द्वारा उत्तराखण्ड के दूरस्थ जनपद उत्तरकाशी तथा नई टिहरी में "उम्मीद की एक नई किरण – उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय" के साथ इस कार्य को आगे बढाया।

विश्वविद्यालय के प्रचार प्रसार में प्रयुक्त वाहन

विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों द्वारा 27 नवम्बर 2014 से 04 दिसम्बर 2014 तक जनपद उत्तरकाशी तथा नई टिहरी स्थित विभिन्न व्यावसायिक व शिक्षा संस्थानों (पी0जी0 कॉलेज, राजकीय इण्टर कॉलेज, पॉलिटेक्निक, तथा आई0टी0आई0 आदि) में जाकर अध्यापकों व कर्मचारी वर्ग से चर्चा की तथा छात्र–छात्राओं को मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली शिक्षण व्यवस्था के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। क्षेत्र के विभिन्न गॉवों में जाकर क्षेत्रीय लोगों से मिलकर भ्रमण कार्यक्रम के बारे में तथा विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्यों से जनता को अवगत कराया। क्षेत्रीय जनता द्वारा कार्यक्रम के सम्बन्ध में विशेष रूचि देखने को मिली लेकिन समय पर उपयुक्त जानकारी न मिलने की भी शिकायत सुनने को मिली ।

Vinod

इसके अतिरिक्त भ्रमण मार्गों पर आने वाले क्षेत्रीय कार्यालयों तथा ग्राम सभाओं में जन प्रतिनिधियों के माध्यम से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न पाठयकमों की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गयी तथा समय की उपयोगिता के महत्व पर चर्चा करते हुये सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक स्तर पर दूरस्थ शिक्षा की आवश्यकता को समझाया और जनता को इस माध्यम द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन स्तर को वैभवपूर्ण व संपन्न बनाने हेतु प्रेरित किया ।

जन–प्रतिनिधियों को जानकारियाँ देते हुये

विश्वविद्यालय की टीम द्वारा *नौगॉव, पुरोला, मोरी, सॉकरी, बडकोट, ब्रहमखाल, घरासू, डुण्डा, मातली, उत्तरकाशी, धौन्तरी, लम्बगॉव, घनसाली, ठेला, नैलचामी, डॉन्गी, नन्दगॉव, चम्बा, नई टिहरी, कमान्द, छाम, धरासू तथा चिन्याली सौड* आदि विभिन्न स्थानों तथा गॉवों में जाकर ग्रामीण युवक–युवतियों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से जुडकर अपनी उच्च शिक्षा को आगे बढाने हेतु प्रेरित किया। विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि वह पहाड से शिक्षा हेतु होने वाले पलायन को रोका जा सके। इसके लिये विश्वविद्यालय नौकरीपेशा तथा शिक्षा से वंचित शिक्षार्थियों हेतु घर में अपने रोजगार के साथ साथ पढने के अवसर उपलब्ध कराता है और शिक्षार्थियों को पाठयकम से संबन्धित पुस्तकें भी देता है और नजदीकी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा की उचित व्यवस्था करता है जिसका लाभ पढने वाला आम आदमी ले सकता है ।

विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के द्वारा कर्मचारियों, शिक्षार्थियों तथा बुक स्टोर में बुक सेलर से बातचीत की गयी तथा मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा के प्रति लोगों की भ्रान्तियों को दूर करने का प्रयास किया गया तथा वहाँ पर उपस्थित लोगों से बातचीत कर, मुक्त शिक्षा पद्धति के बारे में उत्तराखण्ड के ग्रामीण स्थानों तक अपना संदेश पहुँचाने का प्रयास किया गया। छात्र–छात्राओं को बताया गया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा शुरू किया गया है और यह अन्य विश्वविद्यालयों के समान ही यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त है। कोई भी व्यक्ति उत्तराखण्ड सरकार की सरकारी वेब–साइट या विश्वविद्यालय की वेब–साइट मे जाकर इसे देख सकता हैं ।

बुक स्टोर में बुक सेलर व शिक्षार्थियों को जानकारी देते हुये

विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के द्वारा विभिन्न कॉलेजों तथा इण्टर कॉलेजों में जाकर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित किया गया तथा छात्र–छात्राओं को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को बताकर उच्च शिक्षा के लिये प्रेरित किया। छात्र–छात्राओं से अपील की गयी कि वे सभी अपने अपने गॉव में जाकर उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार पूर्वक बतायें ।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्र व अध्यापक के साथ

विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के द्वारा मातली में आई०टी०बी०पी० के कैम्प में जाकर भी जवानों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में बताया। जवानों के उत्साह को देखते हुये, उत्तरकाशी क्षेत्रीय निदेशक डॉ० डी०एस०नेगी से बात करके वार्ता के कम को आगे बढाने हेतु आग्रह किया गया। भविष्य में आर्मी कैम्प, हर्षिल से भी बातचीत करके देश के कई जवानों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा से जोड सकता है ।

विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के द्वारा पुरोला, बडकोट, घनसाली, चम्बा, तथा चिन्याली सौड आदि विभिन्न स्थानों में प्रेसवार्ता करके प्रेस के माध्यम से क्षेत्रीय लोगों तक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पहुँचाने की कोशिश की गयी । प्रेस को बताया गया कि निकट भविष्य में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र विश्वविद्यालय से सीधे जुड सकते हैं। इस हेतु विश्वविद्यालय का प्रयास है कि वह एडुसेट के माध्यम से अपने शिक्षार्थियों को सरल तथा सटीक जानकारियॉ उपलब्ध करायें तथा छात्र अपने अध्ययन केन्द्रों में बैठकर ही ऑन लाइन द्वारा अपने पाठयक्रम को समझ सकता है, संबंधित विषय के अध्यापक के संपर्क मे रह सकता है और प्रश्न पूछकर अपनी ज्ञान पिपासा को दूर कर सकता है । प्रेस के द्वारा पूछे गये सवालों से आत्म चिन्तन करने का भी अवसर मिला जिनको हल करके उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सफलता की नई ऊँचाइयों को छूँ सकता है।

मुक्त विवि के पाठ्यक्रमों
की जानकारी दी

गांवों में उच्च शिक्षा का
मौका देगा मुक्त विवि

प्रेस के माध्यम से जन जागृति

TOUR REPORT

ROORKEE REGION

PHOTOGRAPS OF TOUR IN ROORKEE REGION

NEWS IN DIFFERENT NEWS PAPER

हिन्दुस्तान • देहरादून • शनिवार • 29 नवम्बर 2014 •

दूरस्थ शिक्षा की जानकारी दी

मंगलौर | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने शुक्रवार को अध्ययन केंद्र जामिया इस्लाहुल बनात इंस्टीट्यूट ऑफ सोसाइटी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उर्दू शिक्षक ने अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को दूरस्थ शिक्षा से भी अवगत कराया।

नगर के मोहल्ला टोली स्थित उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र जामिया इस्लाहुल बनात इंस्टीट्यूट ऑफ सोसाइटी का शुक्रवार को विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के प्रभारी डॉ.अख्तर अली ने निरीक्षण किया।

इस मौके पर डॉ.विरेंद्र कुमार, कारी नसीम मंगलौरी, वफा रानी, सलमा, सीमा अंसारी, विशाल अहमद, मौलाना मुहम्मद फुरकान कासमी, वसीम अब्बासी, कारी गुलबहार आदि थे।

अमर उजाला

दिनाँक 27 / 11 / 2014

5 www.dehradun.amarujala.com

न्यूज डायरी

शैक्षिक टीम ने किया भ्रमण

रुड़की। उत्तराखंड मुक्त विद्यालय हल्द्वानी से आए डा. वीरेंद्र कुमार सिंह, डा. दिनेश कुमार, डा. अख्तर अली ने भगवानपुर स्थित रहमानिया इंटर कालेज, रामपुर मदरसा, इरफानुलउलूम मदरसा एवं मंगलौर में जामिया इसलाहुल आदि अध्ययन केंद्रों में जाकर वहां का निरीक्षण किया। साथ ही 'उच्च शिक्षा जन जन के द्वार' की जानकारी केंद्र संचालकों को दी। टीम ने बताया कि विवि का उद्देश्य दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में जहां लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में परेशानी होती है, वहां पर विवि लोगों तक उच्च शिक्षा पहुंचा जा रहा है। टीम के साथ विवि के क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक डा. राजेश पालीवाल, मोहम्मद आलम आदि भी मौजूद रहे।

29 नवम्बर 2014

a.com

अमर उजाला

रुड़की

दूरस्थ शिक्षा को बताया महत्वपूर्ण

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने किया निरीक्षण

मंगलौर। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से प्रचार-प्रसार के लिए शुक्रवार को विश्वविद्यालय की टीम ने मोहल्ला टोली स्थित अध्ययन केंद्र जामिया इस्लाहुल बनात इंस्टीट्यूट ऑफ सोसाइटी का निरीक्षण किया।

विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के प्रभारी डा. अख्तर अली ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा से करियर को आगे बढ़ाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से नये-नये कोर्स में डिग्री हासिल की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा उन विद्यार्थियों के लिए विशेष लाभप्रद है जो नियमित कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो सकते। विवि के डा. विरेंद्र कुमार ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विषम भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले युवकों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक हो रहा है। अध्ययन केंद्र के समन्वयक एवं संस्था प्रबंधक कारी नसीम मंगलौरी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का इस युग में बड़ा महत्व है। दूरस्थ शिक्षा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई अवसर प्रदान किए हैं जिनसे लाभान्वित होने की आवश्यकता है। इस मौके पर यकी रानी, सलमा, सीमा अंसारी, विसाल अहमद, मौलाना मुहम्मद फुरकान कासमी, वसीम अब्बासी, कारी गुलबहार, कारी मुनीर आलम, अब्दुल कादिर आदि उपस्थित थे।

فاصلاتی طرز تعلیم نے اعلی تعلیمی میدان میں آگے بڑھنے کے مواقع فراہم کئے

اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کے شعبۂ اردو کے انچارج ڈاکٹر اختر علی کا اظہار خیال

منگلور (اتراکھنڈ)، (نسیم احمد) اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کی جانب سے صوبہ کی ہر بستی میں یونیورسٹی کے کورسز کے متعلق بیداری پیدا کرنے کی غرض سے یونیورسٹی کی ایک ٹیم نے محلہ ٹولی میں واقع اسٹڈی سینٹر جامعہ اصلاح البنات کا معائنہ کرنے کے بعد مرکز میں شامل زیر تعلیم طلبا اور طالبات اور سرکردہ افراد سے مذاکرات کر فاصلاتی تعلیم سے متعلق معلومات فراہم کی ہے۔قصبہ منگلور کے محلہ ٹولی میں واقع اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کے اسٹڈی سینٹر جامعہ اصلاح البنات انسٹی ٹیوٹ آف سوسائٹی کا معائنہ کر کے بعد مرکز میں شامل زیر تعلیم طلبا اور طالبات اور سرکردہ افراد کو یونیورسٹی کے شعبۂ اردو کے انچارج ڈاکٹر اختر علی نے فاصلاتی تعلیم کے موضوع پر بتایا کہ فاصلاتی طرز تعلیم کا سب سے بڑا فائدہ یہ ہے کہ کاروبار اور ملازمت کے ساتھ ساتھ تعلیم حاصل کرنے کا موقع ملتا ہے۔جس سے اپنے کیریئر کو آگے بڑھایا جاسکتا ہے۔انہوں نے کہا کہ فاصلاتی طرز تعلیم کو اپنا کر اعلی سے اعلی ڈگری اور نئے کورس میں شامل ڈگریاں حاصل کی جاسکتی ہیں۔جس کی معلومات اتراکھنڈ مفت یونیورسٹی کی ویب سائٹ سے آن لائن بھی لی جاسکتی ہے۔انہوں معلومات دیتے ہوئے بتایا کہ موجودہ دور میں کافی تیزی کے ساتھ آرہی تبدیلی کے مطابق مفت اور فاصلاتی تعلیم کے نظام روایتی تدریس ایک مضبوط عمل ہے۔انہوں نے کہا کہ فاصلاتی طرز تعلیم ان طلبا و طالبات کے لئے خاص فائدہ مند ہے جو باقاعدگی کے ساتھ یا ریگولر کلاسز میں شامل حاضر ہو کر تعلیم حاصل کرنے سے قاصر ہیں۔منگلور اور آس پاس کے لوگوں کو چاہیے کہ وہ یونیورسٹی کے مرکز جامعہ اصلاح البنات سے فائدہ اٹھائیں۔ٹیم میں شامل یونیورسٹی کے ڈاکٹر وریندر کمار نے بتایا کہ اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی فاصلاتی تعلیم کے ذریعے ریاست میں شامل مختلف علاقوں اور جغرافیائی علاقوں میں رہنے والے لوگوں کو روزگار کے مواقع فراہم کررہی ہے اور روزگار میں شامل لوگ بھی یونیورسٹی سے تعلیمی استفادہ کررہے ہیں۔اس موقع پر مرکز کے کوآرڈینیٹر اور ادارے کے مینیجر قاری نسیم احمد منگلوری نے کہا کہ فاصلاتی تعلیم کی اس زمانے میں بڑی اہمیت ہے، فاصلاتی تعلیم نے اعلی تعلیمی میدان میں آگے بڑھنے کے بہت مواقع فراہم کئے ہیں جن سے فائدہ اٹھانے کی ضرورت ہے۔اس موقع پر وفارانی، سلمی، سیما انصاری، وصال احمد، مولانا محمد فرقان قاسمی، وسیم عباسی، قاری گلبار، قاری منیر عالم، عبدالقادر، توصیف علی، محمد عثمان، اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کے ریجنل دفتر سے محبوب عالم سمیت دیگر سرکردہ شخصیتیں موجود تھیں۔اس کے علاوہ ٹیم نے روڑکی اور بھگوانپور میں مدارس اسلامیہ کا بھی دورہ کیا۔

زہریلے دھوئیں سے لوگوں کا جینا ہوا مشکل

منگلور (اتراکھنڈ)، (نسیم احمد) آلودگی کنٹرول بورڈ کی لاپرواہی اور لاتعلقی کے سبب شہر کے لوگ مہلک بیماریوں کی زد میں آسکتے ہے۔آج لنڈھورا منگلور شاہراہ پر واقع کباڑی کے گودام میں جلائے گئے فضلہ سے اٹھے زہریلے دھوئیں کو لوگ جھیل نہیں پائے، تین افراد کو ہنگامی حالات میں علاج کیلئے داخل کرانا پڑا، شہریوں نے پورے معاملے کی شکایت پولیس سے کر کے فضلہ جلانے والے کباڑیوں کے خلاف کارروائی کا مطالبہ کیا ہے۔اتراکھنڈ ریاست کے قیام کے بعد علاقے میں جب صنعتی ادارے قائم ہوئے تو منگلور اور اس کے آس پاس یہاں پر کباڑیوں کے گوداموں کی تعداد میں بھی بڑی تیزی کے ساتھ اضافہ ہوا ہے۔

ROZNAMA AZIZUL HIND

فاصلاتی طرز تعلیم نے اعلی تعلیمی میدان میں آگے بڑھنے کے مواقع فراہم کئے

اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کے شعبۂ اردو کے انچارج ڈاکٹر اختر علی کا اظہار خیال

نون الف ہاشمی

منگلور، (اتراکھنڈ)، 5 دسمبر (ایس ٹی بیورو)۔ اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کی جانب سے صوبہ کی ہر بستی میں یونیورسٹی کے کورسز کے متعلق بیداری پیدا کرنے کی غرض سے یونیورسٹی کی ایک ٹیم نے محلہ ٹولی میں واقع اسٹڈی سینٹر جامعہ اصلاح البنات کا معائنہ کرنے کے بعد مرکز میں شامل زیر تعلیم طلبا اور طالبات اور سرکردہ افراد سے مذاکرات کر فاصلاتی تعلیم سے متعلق معلومات فراہم کی ہے۔قصبہ منگلور کے محلہ ٹولی میں واقع اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی کے اسٹڈی سینٹر جامعہ اصلاح البنات انسٹی ٹیوٹ آف سوسائٹی کا معائنہ کرکے بعد مرکز میں شامل زیر تعلیم طلبا اور طالبات اور سرکردہ افراد کو یونیورسٹی کے شعبہ اردو کے انچارج ڈاکٹر اختر علی نے فاصلاتی تعلیم کے موضوع پر بتایا کہ فاصلاتی طرز تعلیم کا سب سے بڑا فائدہ

یہ ہے کہ کاروبار اور ملازمت کے ساتھ ساتھ تعلیم حاصل کرنے کا موقع ملتا ہے۔جس سے اپنے کیریئر کو آگے بڑھایا جاسکتا ہے۔انہوں نے کہا کہ فاصلاتی طرز تعلیم کو اپنا کر اعلی سے اعلی ڈگری اور نئے کورس میں شامل ڈگریاں حاصل کی جاسکتی ہیں۔جس کی معلومات اتراکھنڈ مفت یونیورسٹی کی ویب سائٹ سے آن لائن بھی لی جاسکتی ہے۔انہوں معلومات دیتے ہوئے بتایا کہ موجودہ دور میں کافی تیزی کے ساتھ آرہی تبدیلی کے مطابق مفت اور فاصلاتی تعلیم کے نظام روایتی تدریس ایک مضبوط عمل ہے۔انہوں نے کہا کہ فاصلاتی طرز تعلیم ان طلبا و طالبات کے لئے خاص فائدہ مند ہے جو باقاعدگی کے ساتھ یا ریگولر کلاسز میں شامل حاضر ہو کر تعلیم حاصل کرنے سے قاصر ہیں۔منگلور اور آس پاس کے لوگوں کو چاہیے کہ وہ یونیورسٹی کے مرکز جامعہ اصلاح البنات سے فائدہ اٹھائیں۔ٹیم میں شامل یونیورسٹی کے ڈاکٹر وریندر کمار نے بتایا کہ اتراکھنڈاوپن یونیورسٹی فاصلاتی تعلیم کے ذریعے ریاست میں شامل مختلف علاقوں اور جغرافیائی علاقوں میں رہنے والے لوگوں کو روزگار کے مواقع فراہم کررہی ہے اور روزگار میں شامل لوگ بھی یونیورسٹی سے تعلیمی استفادہ کررہے ہیں۔ اس موقع پر مرکز کے کوآرڈینیٹر اور ادارے کے مینیجر قاری نسیم احمد منگلوری نے کہا کہ فاصلاتی تعلیم کی اس زمانے میں بڑی اہمیت ہے، فاصلاتی تعلیم نے اعلی تعلیمی میدان میں آگے بڑھنے کے بہت مواقع فراہم کئے ہیں جن سے فائدہ اٹھانے کی ضرورت ہے۔

ROZNAMA SIYASI TAQDEER

TOUR REPORT

Members of team

Dr. Virendra Kumar

Dr. Dinesh Kumar Singh

Dr. Aktar Ali

विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय रूड़की हेतु गठित प्रचार दौरे हेतु डा0 वीरेन्द्र कुमार सिंह, डा0 दिनेश कुमार व डा0 अख्तर अली के द्वारा क्षेत्री क्षेत्रीय कार्यालय रूड़की में विश्वविद्यालय के द्वारा चलायें जा रहे विभिन्न कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु जिस प्रकार से उत्तरदायित्व का निर्वाहन किया गया उसकी अख्या निम्न प्रकार हैं।

दिनांक- 26-11-14 को हल्द्वानी से रूड़की के लिए प्रस्थान।

दिनांक- 27-11-14 को क्षेत्रीय कार्यालय रूड़की के लिपिक श्री मो0 आलम के साथ भगवानपुर स्थित रहमानिया इण्टर कालेज, मदरसा इस्लामिक अरजिया मदीन तुल उलुक किषनपुर दारूल उलूम सिददीकि मोनल हेड़ा, मदरसा फुरकालिया सिकडोरा में पहुंचकर विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई।

दिनांक 28-11-14 को टीम द्वारा मदरसा इस्लाहुल वनात मगंलौर, मदरसा ईशातुल इस्लाम मगंलौर, जायिया दारूल सना, इंगलिष एकेडमी कलियर, मदरसतुल मोमनीन, मगंलौर एच.ई सी. पी. कालेज हरिद्वार का भ्रमण किया।

दिनांक 29-11-14 को चमन लाल डिग्री कालेज लण्ढेरा, मदरसा इरषाद उलूम डढेरा, मदरसा फैजुल उलूम लण्ढेरा, स्वामी विवेकानन्द इंस्टीटयूट लकसर, महारिशी दयानन्द इंस्टीटयूट लकसर तथा उ0 प्र0 के सीमावती जनपद बिजनौर में भ्रमण कर जानकारिया ँ दी।

Promotional Tour Report

A three member team of Dr. Kamal Deolal, Mr. Lalit Bhatt and Dr. Charu C. Pant visited different area of the Pithoragarh region (Dist. Pithoragarh and Champwat) for the promotion and awareness of higher education. The team went on 27-11-2014 and came back on to 01-12-14

Following points are observed.

1. Target area and Society: The team visited different remote areas of Pithoragarh region (Pithoragarh, Pipli, Kanalichhina, Julaghat, Muani, Munshyari, Lohaghat, Devidhura etc.). Before starting the visit the team concerned with some senior teachers of that area so that the optimum benefit can be availed. The team discussed with Dr. T. S. Pangti, Principal GPGC Pithoragarh and Munshyari, Dr. S. S. Bhandari, Principal Govt. College, Muani, Dr. R.S. Adhikari, Coordinator at Pithoragarh, Dr. M. Joshi Principal Govt. College Devidhura.

The team always tried and interacted with the students of different Colleges, Inter colleges for the motivation and awareness of students for higher education. The team also interacted with number of people in various villages and towns. During the visit the teams met with some students registered with UOU and solve their problems.

2. Opening of new study centers: Many remote areas of Pithoragarh regions have no study center till now. The team located such area and concerned the College/ Organization for opening the UOU study centers. The team started the process of opening new study centers at GIC Pipli, GIC Kanalichhina, GIC Julaghat, Govt. Degree College Munshyari, Govt. Degree College Dharchula, Sanskirt Mahavidyala Dwidhura etc. In these new proposed study centers the team provided some prospectus to the head of these organizations for providing remote students. Since these are Government Institutions and unable to purchase prospectus in advanced. Therefore, they will submit the cost of prospectus at R.D. office along with unused remaining prospectus. The team provided 10 prospectus to GIC Pipli, 10 GIC Kanalichhina, 04 GIC Julaghat, 05 Govt. Degree College Munshyari, 05 Govt. Degree College Muani, 04 Sanskirt Mahavidyala Dwidhura. Remaning 12 has been returned to University store.

3. The team also took help from the local print media for the coverage of promotional activity. The leading news paper of the media like Denicjagran, amarujala, Rastriya sahara, Hindustan covered UOU news many days. Some parts of the coverage are attached along with report.

The team tried best efforts to make it beneficial for the society and motivated large number of students for their future plan in higher education.

3. Suggestion for Future plane and betterment of tour: Some drawbacks are also associated with the promotional tour. The discussion on these points also be needed for critical analysis.

Internal Suggestion:

(a). The tour should be well planed and well organized in time.

(b). Once faculty members go for duty, there is a strong possibility of deduction of their salary and faculty has asked for duty leave signed by different authorities. This is unnecessary burden on the faculty.

(c). The faculty members (both Assistant professor and Academic Associates) should picked up in a fair manner by rotation. The tour organizer and team members should be change every year.

External Comments/ suggestion:

1. Less staff in R.D. office could not help the students and there quarries.
2. There is no advertisements and awareness in local area from the R.D. Office.
3. Results are not declared in time and mark sheet/ Diploma/ Degree are not issued to the students in time.
4. The UOU toll free number is always busy and people can not find any help from the University.
5. Some people told the UOU examination is not fair and good students always suffer in UOU by getting less marks.

Prepared and submitted by:

1. Dr. Kamal Deolal
2. Mr. Lalit Bhatt
3. Dr. Charu C. Pant

Pithoragarh Region

22

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

छात्र दूरस्थ शिक्षा से संवारें भविष्य

पिथौरागढ़(एसएनबी)। उत्तराखंड मुक्त विवि ने उच्च शिक्षा से वंचित दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को जोड़ने की मुहिम शुरू कर दी है। छात्रों को जागरूक करने और उन्हें उच्च शिक्षा के जरिये भविष्य संवारने के लिए विवि की ओर से आठ टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें पूरे प्रदेश में दूरदराज के इंटर कालेजों व कस्बों में घूमकर छात्र-छात्राओं को प्रेरित कर रही है।

■ उभुवि की टीम ने किया सीमांत क्षेत्र का भ्रमण, छात्रों को किया जागरूक

सीमांत जिले में विवि से आये शिक्षकों डा. कमल देवलाल, डा. ललित मोहन भट्ट व डा. चारू पंत ने कनालीछीना, पीपली, सतगढ़, झूलाघाट आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर उच्च शिक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। टीम ने बताया कि विवि आधुनिक तकनीकि सहायता से प्रदेश के सभी क्षेत्रों को जोड़ना चाहता है। विवि की ओर से एडुसेट का संचालन प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए पूरे प्रदेश में 55 एसआईटी (सेटेलाइट इंटरेक्टीव टर्मिनल) स्थापित किये गये हैं जिनमें से 30 पर प्रसारण शुरू हो चुका है। विद्यार्थी इन केंद्रों में जाकर अपने विषय की कक्षाओं में प्रतिभाग कर सकता है। छात्र शिक्षकों के माध्यम से अपनी जिज्ञासायें भी शांत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपने अध्ययन केंद्र में जाकर भी इंटरनेट पर कक्षाओं का लाभ ले सकता है। जिन स्थानों पर अध्ययन केंद्र नहीं है वहां पर नये केंद्र स्थापित किये जा रहे है। टीम ने बताया कि विवि की ओर से प्रदान की जा रही डिग्री यूजीसी से मान्यता प्राप्त और अन्य विवि द्वारा प्रदत्त डिग्री के समकक्ष है। प्रदेश की उच्च शिक्षण संस्थानों मे शिक्षकों की अत्यधिक कमी के कारण दूरस्थ शिक्षा एक बेहतर विकल्प के रूप मे उभर रही है, जो विद्यार्थी मोबाइल का प्रयोग करते है वो अपने फोन पर भी विभिन्न विषयों के व्याख्यान सुन व देख सकते हैं। विवि ने विज्ञान विषयों में भी स्नातक तथा परा स्नातक कार्यक्रम शुरू कर दिये हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान संकायों के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत एजूसेट का भी संचालन कर रहे है। डा. कमल देवलाल व डा. चारू पंत ने बताया कि सीमांत के छात्र-छात्राएं दूरस्थ शिक्षा में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

हिन्दुस्तान

नए अध्ययन केंद्र खोलेगा मुक्त विवि

लोहाघाट। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए टीम ने जनपद में क्षेत्र में भ्रमण कर दूरस्थ शिक्षा को बेहतर विकल्प बनाने की बात कही।'

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. धूलिया के निर्देश पर कार्य कर रही टीम के डा.कमल देवलाल, डा.ललित भट्ट व चारू पंत ने पिथौरागढ़ के बाद चंपावत जनपद के सरकारी व निजी शिक्षण संस्थाओं के अलावा पॉलीटेक्निक में क्षेत्र भ्रमण कर बताया कि उत्तराखंडमुक्त विश्वविद्यालय सुदूर क्षेत्रों में नए अध्ययन केंद्रों को खोलने की तैयारी कर रहा है।

उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकी की सहायता से प्रदेश के सभी क्षेत्रों को विश्वविद्यालय से जोड़ना उनका लक्ष्य है।

जिससे प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यापकों की अत्यधिक कमी होने के कारण दूरस्थ शिक्षा एक बेहतर विकल्प बन सकती है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने एजुकेशन सेटेलाइट का संचालन आरंभ कर दिया है। इसके लिए प्रदेश भर में 60 एसआईटी स्थापित किए गए है। जिनमें 30 पर कार्य आरंभ भी हो चुका है। जिसका संचालन डा.दुर्गेश पंत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो छात्र मोबाइल का उपयोग कर भी अपने विषय की जानकारी हासिल कर सकते हैं।

37

सैटेलाइट से जुड़ेंगे यूओयू के सभी केंद्र

पिथौरागढ़। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) की टीम ने जिले के उन दूरस्थ स्थानों पर केंद्र स्थापित करने का फैसला लिया है जहां पर अब तक मुक्त विश्वविद्यालय से अध्ययन की सुविधा नहीं मिल पाई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के सभी केंद्रों को सैटेलाइट इंटरेक्टिव टर्मिनल से जोड़ा जा रहा है। यूओयू ने प्रदेश के सभी दूरस्थ क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा का प्रसार करने के लिए आठ टीमों का गठन किया है। एक टीम डा. कमल देवलाल, डा. ललित मोहन भट्ट, डा. चारू पंत के नेतृत्व में कनालीछीना, पीपली, सतगढ़, झूलाघाट आदि स्थानों का भ्रमण कर चुकी है। कुलपति प्रो. सुभाष धूलिया के निर्देश पर गठित टीम ने विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जाकर तथा आम लोगों को बताया कि इंटरनेट से भी शिक्षण की सुविधा प्राप्त की जा सकती है। टीम के सदस्यों ने बताया कि यूओयू की डिग्री यूजीसी की मान्यता वाली और अन्य विश्वविद्यालयों से प्रदत्त डिग्री के समकक्ष है। यूओयू के कंप्यूटर विज्ञान संकाय के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने सैटेलाइट तकनीक से होने वाली एडुसेट शिक्षण की जानकारी दी। ब्यूरो

2 | दैनिक जागरण

एक नजर

दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का प्रसार

पिथौरागढ़ : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने दूरस्थ शिक्षा के संबंध में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों में संपर्क किया। इस मौके पर बताया कि विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकि की मदद से सभी क्षेत्रों को जोड़ रहा है। विश्वविद्यालय से आए अध्यापकों डॉ. कमल देवलाल, डॉ. ललित मोहन भट्ट, डॉ. चारु पंत ने तहसील डीडीहाट के दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में पहुंचकर दूरस्थ शिक्षा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने एडुसेट का संचालन शुरू कर दिया है। इसके लिए प्रदेश में 60 एसआइटी स्थापित किए जा रहे हैं। जिसमें 30 एसआइटी ने कार्य करना शुरू कर दिया है। विद्यार्थी इन केंद्रों में जाकर अपने विषय के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके बाद प्राध्यापकों का दल मुनस्यारी रवाना हो गया है।

30

2 | दैनिक जागरण

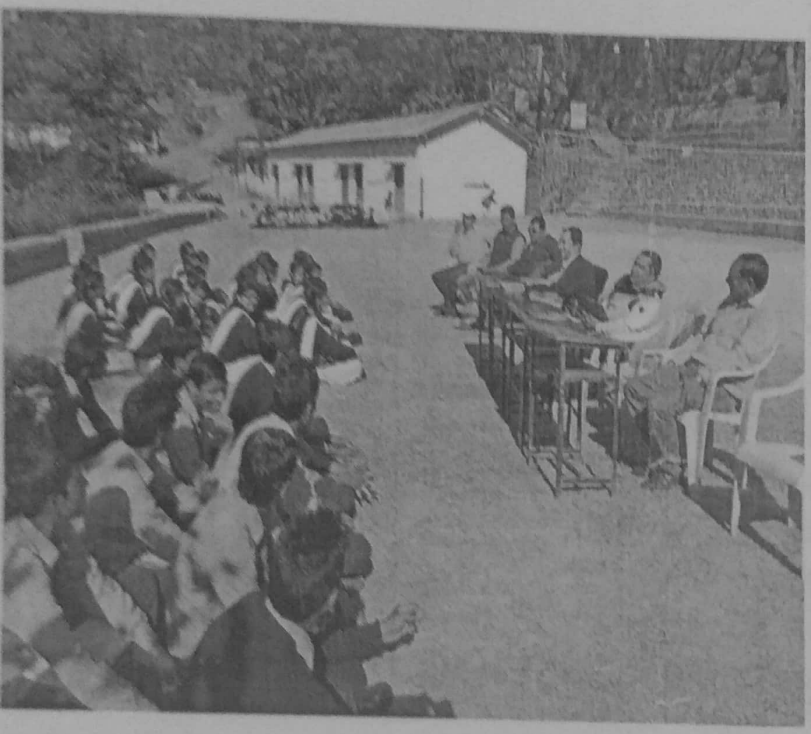

एक नजर

दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का प्रसार

पिथौरागढ़ : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने दूरस्थ शिक्षा के संबंध में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों में संपर्क किया। इस मौके पर बताया कि विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकि की मदद से सभी क्षेत्रों को जोड़ रहा है। विश्वविद्यालय से आए अध्यापकों डॉ. कमल देवलाल, डॉ. ललित मोहन भट्ट, डॉ. चारु पंत ने तहसील डीडीहाट के दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में पहुंचकर दूरस्थ शिक्षा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने एडुसेट का संचालन शुरू कर दिया है। इसके लिए प्रदेश में 60 एसआइटी स्थापित किए जा रहे हैं। जिसमें 30 एसआइटी ने कार्य करना शुरू कर दिया है। विद्यार्थी इन केंद्रों में जाकर अपने विषय के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके बाद प्राध्यापकों का दल मुनस्यारी रवाना हो गया है।

यात्रा रिपोर्ट (Promotional Tour)-बागेश्वर

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रचार–प्रसार के लिए 25 से 29 नवम्बर तक गये भ्रमण में हमने निम्न स्थानों पर संपर्क एवं कार्य किये।

1– सर्वप्रथम हमने हल्द्वानी से जाते वक्त भवाली में अपने पत्रकार मित्रों से मुलाकात की जिसमें दैनिक जागरण के संजय वर्मा और पांच साथी थे। उन्हें विश्वविद्यालय की प्रचार सामग्री देकर विभिन्न कोर्सों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान कुछ लोगों ने विश्वविद्यालय के सेंटर परीक्षा आदि के बारे में पूछा हमने उन्हें जानकारी दी।

2–इसके बाद अल्मोड़ा पहुंचकर दैनिक जागरण के कार्यालय में गये वहां समी जागरण का स्टाफ के अलावा कुछ अन्य पत्रकार भी मौजूद थे। समी को यूओयू के कोर्सों की जानकारी देकर उन्हें कोर्स करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान चार पत्रकार मित्र पत्रकारिता का कोर्स करने के लिए राजी हो गये। उनका कहना था कि तुमने कब कोर्स किया हमें पता ही नही चला। चलो अब कर लेते है.....। हमने उनसे अन्य लोगों को भी कोर्सों के बारे में समाचार या व्यक्तिगत माध्यम से बताने की अपील की।

3–इसके बाद ताकुला में हमने सर्वप्रथम पॉलीटेक्नीक कालेज में पहुंचकर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कोर्सों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय से तो कई छात्र परिचित थे लेकिन कोर्सों की उन्हे जानकारी नही थी। हमने उन्हें प्रचार सामग्री बांटी एवं उचित जानकारी दी। साथ ही सभी लोगों को अपने–अपने साथियों को बताने की अपील की। इसके बाद वहां के गुरुजनों व प्रधानाचार्य से भी मुलाकात की और उन्हें प्रचार सामग्री देकर अवगत कराया। बाद में एक ढाबे में खाना खाने के दौरान हमने पांच–सात युवाओं को भी विश्वविद्यालय के कोर्सों से अवगत कराया। कई युवा विश्वविद्यालय के कोर्सों में रुचि लेते दिखे, उन्होने हमने कई जानकारी मांगी हमने उनका उत्तर दिया।

इसके बाद सायं को हम बागेश्वर पहुंच गये। यहां हमें यूओयू के सहायक लिपिक श्री कांडपाल मिले उनसे हमने बागेश्वर के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त की।

26 नवम्बर

आज हम प्रातः दूरस्थ्य क्षेत्र कपकोट के लिए रवाना हो गये। कपकोट पहुंचकर वहां के डिग्री कालेज गये और छात्रों व गुरुजनों से मिले। साथ ही कपकोट के यूओयू स्टडी सेंटर में भी गये। फिर इंटर कालेज व छात्रों व कुछ युवाओं से मुलाकात कर उन्हें विश्वविद्यालय के कोर्सों से अवगत कराया। कपकोट में डिग्री कालेज होने के कारण आगे की पीजी की पढ़ाई के लिए कई युवा हमारे कोर्सों को लेकर उत्सुक दिखे। हमने उन्हें इसकी उचित जानकारी दी। इसके बाद हम विकास खंड कपकोट के कार्यालय में गये। यहां हमने विकास खंड के ब्लाक प्रमुख श्री मनोहर राम व बीडीसी सदस्यों, प्रधानों व कार्यालय के स्टाफ से मुलाकात की। ब्लाक प्रमुख मनोहर राम जी से मैने पहले ही फोन पर बात की थी और अपने कार्यकम से अवगत कराकर समय मांगा था। जिस पर उन्होने हमें अपने सदस्यों से परिचय कराया। हमने विश्वविद्यालय के कोर्सों की व्यापक जानकारी दी और इनका लाभ उठाने की अपील की। ब्लाक प्रमुख ने हमें अपने बीडीसी की बैठक में समी सदस्यों व प्रधानों (लगभग 130) को यूओयू के कोर्सों से अवगत कराने का आश्वासन दिया। हमने उन्हें प्रचार सामग्री उपलब्ध करायी। इसके बाद हम भराड़ी स्थित पॉलीटेक्नीक कालेज गये वहां प्रधानाचार्य ए. कुरैशी

जी के सहयोग से हमने सभी छात्र–छात्राओं को एकत्र कर उन्हें मुक्त विश्वविद्यालय की जानकारी दी तथा प्रचार सामग्री बांटी। कई विद्यार्थी यूओयू से कोर्स करने के इच्छुक दिखे। फिर हमने एक इंटर कालेज में छात्रों को प्रचार सामग्री बांटी और उन्हें यूओयू के बारे में बताया।

इसके बाद हम इंटर कालेज शामा गये। यहां हमने सर्व प्रथम विद्यालय के व्यवस्थापक के अलावा प्रभारी प्रधानाचार्य श्री पाएडेय जी से मुलाकात कर बात की। उन्हें विद्यालय के सभी सीनियर विद्यार्थियों को एकत्र कर हमसे मिलवाया। हमने उन्हें विश्वविद्यालय के कोर्सों की व्यापक जानकारी दी। उन्हें बताया कि यूओयू उच्च शिक्षा को आपके द्वार पर ही लाया है। आप लोग इसका पूरा लाभ उठाये। कई विद्यार्थियों ने सवाल भी पूछे हमने उनका जवाब दिया तथा उन्हें प्रचार सामग्री वितरित की। लौटते वक्त हमने तेजम जाने वाले मार्ग पर दुकानों में कई युवाओं को विश्वविद्यालय की प्रचार सामग्री बांटी, और उन्हें यूओयू के कोर्सों से अवगत कराया। इस दौरान कुछ युवा कोर्स करने के इच्छुक दिखे। कई लोगों ने सवाल पूछे की यहां से कोर्स करने के बाद हमारी नौकरी लग जायेगी ! कुछ बोले इस कोर्स की मान्यता है। हमने सभी को बताया कि यह सरकारी यूनिवर्सिटी है और इसकी पूरी मान्यता है जैसे सरकारी कालेजों की है। सायं को हम बागेश्वर लौटे।

27 नवम्बर

आज सबसे पहले हमने अपने भ्रमण कार्यकमों का प्रचार के लिए बागेश्वर में प्रेस को अवगत कराया। हमने पत्रकार वार्ता की साथ ही सभी प्रेसों के कार्यालयों में जाकर उन्हें खबर, फोटों के साथ प्रचार सामग्री भी उपलब्ध करायी। कई पत्रकार साथी विश्वविद्यालय से पत्रकारिता का कोर्स करने के इच्छुक दिखे। इसके बाद हमने बागेश्वर के समीपवर्ती कुछ इंटर कालेजों में जाकर विद्यार्थियों से संपर्क किया। लेकिन हल्द्वानी में हुए कशिश हत्याकांड के चलते यहां भी सभी शिक्षण संस्थान व बाजार बंद हो गये थे। फिर भी हमने कुछ छात्रों व गुरुजनों को यूओयू की प्रचार सामग्री बांटी। साथ ही हम यूओयू के श्री कांडपाल के साथ बागेश्वर महाविद्यालय गये और वहां से परीक्षा की कापियां ली और गुरुजनों से वार्ता की। बाद में हम गरुड़ की ओर रवाना हो गये। बागेश्वर से गरुड़ जाते वक्त हमने कई स्थानों पर युवाओं को प्रचार सामग्री बांटी। मैने तोली क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य श्री गोविन्द दानू से भी मुलाकात कर उन्हें यूओयू के कोर्सों से अवगत कराया और उन्हें प्रचार सामग्री दी। उन्होने दूरस्थ्य रीमा क्षेत्र में यूओयू का सेंटर खुलवाने के लिए फार्म भी मांगा जो मैने उन्हें उपलब्ध करा दिया। इसके अलावा जिपं सदस्य रीमा श्री बहादुर राम से भी उन्होने दूरभाष पर वार्ता करायी। उन्होने भी उचित सहायता करने का वादा किया।

गरुड़ में महाविद्यालय गये यहां हमें डा. हेमचन्द्र दुबे मिले। उनसे हमने यूआयू की कापियां ली और कुछ विद्यार्थियों से संपर्क किया। फिर हमने पत्रकार साथी दैनिक जागरण के चन्द्रशेखर बडसीला से व अमर उजाला–उत्तर उजाला के प्रतिनिधि से भी मुलाकात की। उन्हें खबर के साथ प्रचार सामग्री भी उपलब्ध करायी। फिर हम रात्रि विश्राम के लिए कौसानी लौट आये।

27

28 नवम्बर

विश्वविद्यालय के प्रचार कार्यकमों के तहत आज हमने कौसानी में क्षेत्र के प्रसिद्ध गांधीवादी लक्ष्मी आश्रम में जाकर वहां के लोगों को यूओयू के कोर्सों से अवगत कराया। साथ ही उन्हें प्रचार सामग्री वितरित की। वहां के प्रमुख कार्यकर्ता श्री डेविड ने बताया कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के बारे में उन्हें विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. गोविन्द सिंह जी से ज्ञात हुआ है। उन्होने अपने विद्यार्थियों को इसका उचित लाभ दिलाने का वादा किया। इसके बाद हम लक्ष्मी आश्रम की पूर्व प्रमुख सेविका प्रेमा बहुगुणा के आश्रम में जाकर उनसे मुलाकात की। श्रीमती प्रेमा जी वर्तमान में महिला संगठन व गरीब, असहाय महिलाओं व बच्चों के लिए कार्य कर रही है। वह उन्हें शिक्षित करने का कार्य करती है। हमने उन्हें विश्वविद्यालय के कोर्सों की जानकारी दी और लोगों को इसका लाभ दिलाने की अपील की। उन्होने कहा कि इसमें कई कोर्स हमारी महिलाओं के लिए बहुत अच्छे है वह घर बैठे ही कर सकती है। मैं उन्हें यूओयू के कोर्सों से अवगत कराऊंगी और लाभ दिलाऊंगी। उन्होंने हमसे प्रचार सामग्री भी मांगी, जिसे हमने उपलब्ध करा दी।

इसके बाद कौसानी क्षेत्र के कई स्थानों पर युवाओं को यूओयू के कोर्सों से अवगत कराया। फिर सोमेश्वर क्षेत्र में गये। यहां हमने बालिका इंटर कालेज व जीआईसी में कुछ विद्यार्थियों से मुलाकत कर उन्हें यूओयू के कोर्सों से अवगत कराया। फिर हम सोमेश्वर महाविद्यालय गये। वहां हमें छात्र तो नही मिले लेकिन कुछ गुरुजन मिले जिन्हें हमने प्रचार सामग्री देकर विद्यार्थियों को इसका लाभ दिलाने की अपील की। हमने बाजार में भी युवाओं को प्रचार सामग्री बांटी और वहां के पुस्तकों की दुकानों पर भी यूओयू की प्रचार विवरणिका लगवाई। ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके। सायं को हम कौसानी की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पुष्पा कोरंगा व उनके पति श्री भीमसिंह कोरंगा से मिले उनसे भी मैंने पहले फोन पर बात की थी। उन्हें प्रचार सामग्री देकर हमने इसका लाभ क्षेत्र के लोगों को पहुंचाने की अपील की। जिस पर उन्होने यथासंभव सहायता की बात की। साथ गरुड़ में यूओयू का सेंटर खुलवाने की बात की। गरुड़ में यूओयू का सेंटर खुलवाने के लिए खंड शिक्षाधिकारी आकाश सारस्वत से भी फोन पर बात की। उन्होने कहा कि जीआईसी में सेंटर खुलवा दूंगा और मदद होगी करेंगे। हमने कौसानी में गांधी जी के अनाशक्ति आश्रम में प्रचार सामग्री बांटी।

महोदय,

प्रचार कार्यकम के दौरान हमे अनेक समस्याएं भी प्रमुख रूप से देखने को मिली। जिन पर गौर किया जाना आवश्यक है।

1. गरीब विद्यार्थियों के लिए क्या सुविधा है।
2. यूओयू की फीस रेगूलर महाविद्यालयों से ज्यादा है।
3. स्टडी सेंटरों के द्वारा कोई सहायता नहीं की जाती , न ही कोई संवाद।
4. यूओयू की पुस्तकें समय पर नहीं मिल रही हैं।
5. परीक्षाफल आने में विलंब हो रहा है।
6. समय–समय पर ऐसे जागरुकता कार्यकमों की आवश्यकता।
7. विश्वविद्यालय द्वारा कुछ व्यवसायिक कोर्स खोलने की आवश्यकता।

राजेंद्र सिंह क्वीरा

उत्तर उजाला

सुदूरवर्ती गांवों को शिक्षा से जोड़ रहा यूओयू

बागेश्वर। उच्च शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचाने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी की एक टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जनसमुदाय को प्रेरित किया। भ्रमण दल ने लाकुला, कपकोट, भराड़ी, शामा, फरसाली इलाकों के सुदूर गांवों में पहुंचकर मुक्त विश्वविद्यालय की दूरस्थ शिक्षा की जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी भ्रमण दल ने मुक्त विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा पर चर्चा की व जानकारियां दी। भ्रमण दल ने अपने उद्देश्य से जनता, जनप्रतिनिधियों व अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को अवगत कराते कहा कि अभियान का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा से वंचित लोगों को लाभान्वित करना है। उन्होंने शैक्षिक व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भी जानकारी दी। इस अवसर पर निःशुल्क विवरणिका भी उपलब्ध करायी गयी। भ्रमण दल के समन्वयक राजेन्द्र सिंह क्वीरा व राजेश आर्य ने बताया कि उन्होंने डिग्री कालेज, पालीटेक्निक व इण्टर कालेजों में जाकर विश्व विद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक व व्यावसायिक कार्यक्रमों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय सहारा

व्यापक भ्रमण कर दूरस्थ शिक्षा की दी जानकारी

बागेश्वर (एसएनबी)। उच्च शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचाने के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा राज्य के विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों में व्यापक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत विश्वविद्यालय की एक टीम ने बागेश्वर जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों का भ्रमण किया और लोगों को दूरस्थ शिक्षा की जानकारी दी।

विश्वविद्यालय के भ्रमण दल ने 25 नवम्बर से लाकुला, कपकोट, भराड़ी, शामा, फरसाली क्षेत्र में व्यापक भ्रमण कर लोगों को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की दूरस्थ शिक्षा के बारे में अवगत कराया। इस दौरान टीम द्वारा कपकोट ब्लॉक में ब्लाक प्रमुख मनोहरराम व वहां क्षेत्र पंचायतों के प्रतिनिधियों व प्रधानों से भी चर्चा की और उन्हें दूरस्थ शिक्षा से जोड़कर लाभान्वित करना है, ताकि वह स्वावलम्बी बन सकें। इसके अलावा यूओयू की टीम ने महाविद्यालय, पॉलीटेक्निक संस्थान व इंटर कालेजों में जाकर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षिक व व्यावसायिक कोर्सों की जानकारी दी।

23

"उम्मीद की एक किरण"
मुक्त विश्वविद्यालय

"उम्मीद की एक किरण"
मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल
का हार्दिक स्वागत करता है।
यह अधिकार, उच्च शिक्षा हमारे द्वार'
05946-261122 (10am - 5pm : Mon- Sat)
www.uou.ac.in

Open University Mail - promotional tour

प्रचार–प्रसार हेतु 6 दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम की आख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "उच्च शिक्षा आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत उच्च शिक्षा का प्रचार–प्रसार और मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को घर–घर तक पहुंचाने को माननीय कुलपति जी के निर्देशानुसार मुझे देहरादून क्षेत्र के आस–पास और जनपद के ग्रामीण अंचलों में जाने का मौका मिला। कार्यक्रम में निम्नलिखित स्थानों पर मेरे द्वारा भ्रमण कर जनसभायें एवं गोष्ठियां आयोजित की गयीं। इनमें लोगों को दूरस्थ शिक्षा के बारे में समझाया गया और उत्तराखण्ड मुक्त विश्व विद्यालय किस तरह से राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा पहुंचाने के लिए तत्पर है, यह लोगों को बताया गया।

मेरे द्वारा यह कार्य 25 नवम्बर, 2014 से लेकर 30 नवम्बर, 2014 तक किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है–

1. 25 नवम्बर, 2014 को हरबर्टपुर, विकास नगर के शिक्षण संस्थानों के अलावा आस–पास के सभी इंटरकालेजों में भ्रमण व गोष्ठियां की गयी।
2. 26 नवम्बर, 2014 को कालसी एवं सहइया इंटर कालेजो के अलावा कस्बों में गोष्ठियां की गयी।
3. 27 नवम्बर, 2014 त्यूणी, चकरौता तथा चकरौता के आस–पास के इंटर कालेजों में सभायें व गोष्ठियां की गयी।
4. 28 नवम्बर, 2014 को ऋषिकेश तथा खदरी ग्रामसभा के शिक्षण संस्थानों व गांव में सभायें व गोष्ठियां की गयी।
5. 29 नवम्बर, 2014 को मसूरी तथा उसके आस–पास के इंटर कालेजों में भ्रमण व गोष्ठियां की गयी।
6. 30 नवम्बर, 2014 को देहरादून के माजरा व निरंजनपुर में भ्रमण व गोष्ठियां की गयी।

मुख्य भ्रमण स्थल–

1– (विकास नगर, हरबर्टपुर, डाकपत्थर, कालसी, सहइया एवं चकरौता)

इ0 का0 का नाम	छात्र संख्या
1. राजकीय इ0 का0 हरबर्टपुर	1700
2. राजकीय इ0 का0 सेलाकुंई	1500
3. राजकीय इ0 का0 भाऊवाला	900
4. गुरू रामराय इं0 का0 भाऊवाला	1100
5. सरस्वती विद्यामंदिर ढालीपुर	1200
6. रा0 इ0 का0 संभावाला	800
7. रा0 इ0 का0 नयागांव	700
8. रा0 इ0 का0 अमिवाला	800
9. रा0 इ0 का0 बरोटी वाला	1300

10. रा0 इ0 का0 छरवा	700
11. रा0 इ0 का0 डोभरी	500
12. रा0 इ0 का0 सोरवा	500
13. आशा राम वैदिक इं0 का0 विकास नगर	1500
14. सरस्वती इंटर कालेज, विकास नगर	1000
15. होशियार सिंह बुद्धमल इ0 का0 विकासनगर	1300
16. रा0 इ0 का0 डाकपत्थर	1400
17. महर्षि अरविंद घोष इं0 का0 डाकपत्थर	800
18. रा0 इ0 का0 कालसी	1000
19. रा0 इ0 का0 सहिया	1100
20. रा0 इ0 का0 चकराता	700
21. रा0 इ0 का0 त्यूणी	800

उपरोक्त इण्टर कालेजों में जाकर छात्रों एवं अध्यापकों से सम्पर्क किया गया, ये इ0 कालेज ग्रामीण क्षेत्र में अधिकतर हैं जहां ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र अध्ययनरत हैं, जो मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली से जुड़ सकते हैं।

2. मसूरी शहर एवं डिग्री कालेज – यहां डिग्री कालेज के प्राचार्य जी से अध्ययन केन्द्र खोलने की बात की गय जो सहमत हैं। यहां पर हमारा एक भी अध्ययन केन्द्र नहीं है।

3. ऋषिकेश एवं आसपास के गांव –

ऋषिकेश शहर के मध्य विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र **एसीएमटी** पर एक गोष्ठी की गयी जिसमें कई छात्रों के साथ शहर के कई लोग व दर्जा प्राप्त मंत्री उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष श्री रमेश उनियाल जी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय की इस मुहिम की सराहना की तथा इसे निरंतर बनाये रखने की बात कही।

ऋषिकेश के समीप डोइवाला विकास खण्ड के अंतर्गत 30 हजार जनसंख्या वाली ग्रामसभा खदरी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 300 लोगों के साथ–साथ खदरी ग्राम प्रधान सरोप सिंह पुण्डीर, भट्टोवाला ग्राम प्रधान सतीश रावत, क्षेत्र पंचायत खदरी पवन पाण्डेय, क्षेत्र पंचायत श्यामपुर कोमल नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद जुगलान, पंचायत सदस्य–विनोद चौहान, लक्ष्मण राणा, कुवंर तडियाल, तुलसा देवी, उषा थपलियाल, सरिता रणाकोटी आदि जन प्रतिनिधि शामिल थे।

इस गोष्ठी में खदरी में स्थित विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र नालन्दा शिक्षण संस्थान के प्रबन्धक की ओर से कई प्रवेश गोष्ठी के दौरान ही किये गये।

4. देहरादून और आसपास के गांव – देहरादून के आस–पास के माजरा निरंजनपुर आदि जगहों पर स्थित इंटर कालेजों में भी भ्रमण किया गया जहां पर अम्लसंख्यक समुदाय बहुल्य क्षेत्र है, उर्दू विषय की काफी मांग है।

ऋषिकेश में बोलते मुख्य अतिथि रमेश उनियाल, उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री)

खदरी में मंचासीन जन प्रतिनिधियों के साथ विश्वविद्यालय के बारे में बोलते हुये

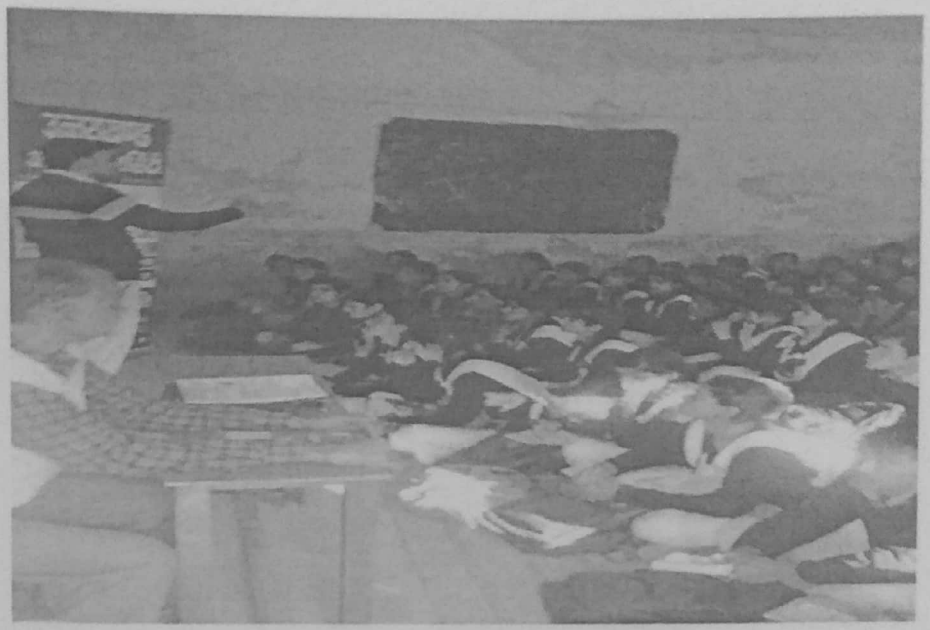

रा0 इ0 का0 सहिया

रा0 इ0 का0 कालसी

देहरादून। बुधवार। 26 नवंबर 2014

अमर उजाला

घर-घर जाएगा यूओयू

विवि ने दूरस्थ प्रचार के लिए बनाई आठ टीमें उच्चशिक्षा का करेंगी प्रसार

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। उच्च शिक्षा और मुक्त शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए अब उत्तराखंड मुक्त विवि (यूओयू) घर-घर जाएगा। विवि ने इसके लिए आठ टीमें बनाई हैं। जो मंगलवार को प्रचार अभियान के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में निकल गईं।

विवि जनसंपर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने बताया कि राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए विवि ने विशेष अभियान शुरू किया है। कुलपति प्रो. सुभाष धूलिया ने कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के दुर्गम और अति दुर्गम क्षेत्रों में यह टीमें भेजी हैं। टीमें विवि पाठ्यक्रमों की भी जानकारी देंगी।

चार टीमें गढ़वाल के हिंडोलाखाल, नैखरी, देवप्रयाग, सबदरखाल, यमकेश्वर, रांठ, कुंजखाल, त्रिपालीसैण, लैंसडाउन, कोटद्वार में प्रचार करेंगी। उत्तरकाशी के मोरी, पुरोला, बड़कोट-नौगांव, चिन्यालीसौड़, नई टिहरी, घनसाली, देहरादून के चकराता, मसूरी, हर्बटपुर, कालसी, विकासनगर, डोईवाला और ऋषिकेश में प्रचार करेंगी। रुड़की के मंगलौर, नारसन, पुरकाजी, बहादराबाद, भगवानपुर, बिहारीगढ़ में प्रचार होगा। कुमाऊं में भी टीमें व्यापक प्रचार करेंगी।

राष्ट्रीय सहारा

देहरादून। बुधवार • 26 नवम्बर • 2014

दूरस्थ क्षेत्रों में यूओयू ने किया जागरूकता अभियान आरंभ

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखंड मुक्त विवि (यूओयू) ने दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत आठ टीमें शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत दुर्गम व अति दुर्गम क्षेत्रों में जाकर लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास करेंगे।

यूओयू के जनसम्पर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने बताया कि राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्चशिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के लिए यूओयू द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विवि के कुलपति प्रो. सुभाष धूलिया द्वारा गठित आठ टीमें कुमाऊं व गढ़वाल के दुर्गम-अति दुर्गम क्षेत्रों में उच्चशिक्षा का प्रचार-प्रसार के लिए रवाना हो गई हैं। इसमें अभियान का मुख्य उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से लोगों को उच्च शिक्षा से जोड़ना है, ताकि लोग आत्मनिर्भर बन सकें। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि टीमों द्वारा गढ़वाल मंडल में हिण्डोलाखाल, नैखरी, देवप्रयाग, सबदरखाल, यमकेश्वर, राठ, कुण्जाखाल, त्रिपालीसैण, लैंसडौन, कोटद्वार में प्रचार करेंगी।

उच्च शिक्षा के प्रसार के लिए गढ़वाल व कुमाऊं मंडल के लिए आठ टीमें रवाना

उत्तरकाशी क्षेत्र के अंतर्गत टीम मोरी, पुरोला, बड़कोट-नौगांव, चिन्यालीसौड़, नई टिहरी, घनसाली, देहरादून क्षेत्र के अंतर्गत टीम चकराता, मसूरी, हरबर्टपुर, कालसी, विकासनगर, डोईवाला व ऋषिकेश एवं रुड़की क्षेत्र की टीम मंगलौर, नारसन, पुरकाजी, बहादराबाद, भगवानपुर, बिहारीगढ़ आदि सीमांत क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा की अलख जगाएगी। कुमाऊं मंडल की चार टीमें पिथौरागढ़ क्षेत्र के कनालीछीना, सतगढ़, आंवला, नारायणनगर, डीडीहाट, मुनस्यारी, मदकोट, बरम, जौलजीबी व धारचूला में दूरस्थ शिक्षा का प्रचार करेंगी। बागेश्वर क्षेत्र की टीम गरुड़, शामा, भराड़ी, कपकोट, कौसानी के साथ साथ अल्मोड़ा जनपद के समीपवर्ती क्षेत्र सोमेश्वर व ताकुला, रानीखेत क्षेत्र के अंतर्गत टीम रानीखेत के अलावा मासी, भिकियासैण, स्याल्दे, सल्ट व देघाट में प्रचार करेगी, जबकि हल्द्वानी क्षेत्र की टीम चोरगलिया, टनकपुर, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, रुद्रपुर, काशीपुर, बाजपुर व रामनगर में दूरस्थ शिक्षा का व्यापक प्रचार करेंगी।

07 • देहरादून • बुधवार • 26 नवम्बर 2014 • हिन्दुस्तान

यूओयू का जागरूकता अभियान शुरू

देहरादून। उच्च शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचाने के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने मंगलवार से जागरूकता अभियान शुरू कर दिया। विवि की 8 टीमें पूरे राज्य का दौरा करेंगी।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पीआरओ डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि इस अभियान का मकसद प्रदेश के दुर्गम इलाकों में युवाओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और अवसरों की जानकारी देना है। चार टीमें कुमाऊं मंडल तथा चार टीमें गढ़वाल मंडल में प्रचार प्रसार करेंगी। यह टीमें गढ़वाल मंडल के रिण्डोलाखाल, नैखरी, देवप्रयाग, सतदरखाल, यमकेश्वर, रांठ, कुंजखाल, त्रिपालीसैण, लैंसडाउन, कोटद्वार में प्रचार करेंगी।

उत्तरकाशी क्षेत्र में टीम मोरी, पुरोला, बड़कोट-नौगांव, चिन्यालीसौड़, नई टिहरी, घनसाली आदि जगह प्रचार करेगी। देहरादून क्षेत्र के अन्तर्गत टीम चकराता, मसूरी, हरबर्टपुर, कालसी, विकासनगर आदि जगह जाएगी। कनालीछीना सतगढ़, आगेला, नारायणनगर, डीडीहाट, मुन्स्यारी, मदकोट, बरम, जौलजीबी आदि स्थानों पर भी अभियान चलेगा।

अमर उजाला

घर बैठे आप भी पा सकते हैं उच्च शिक्षा

तीर्थनगरी में 'उच्च शिक्षा आपके' द्वार अभियान

उत्तराखंड मुक्त विवि ने दी लोगों को जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

ऋषिकेश। उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' अभियान चलाया गया। इसके तहत शुक्रवार को नगर और श्यामपुर क्षेत्र में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में बच्चों को विश्वविद्यालय के तमाम पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई।

रेलवे रोड स्थित विवि के अध्ययन केंद्र एसीएमटी में आयोजित गोष्ठी का मुख्य अतिथि राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष रमेश उनियाल ने उद्घाटन किया। इस दौरान विद्यार्थियों को अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उधर, श्यामपुर खदरी स्थित नालंदा शिक्षण संस्थान में आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता विवि के जनसंपर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने लोगों को दूरस्थ शिक्षा में विश्वविद्यालय की भूमिका, कार्यक्रम और इसके लाभ के बारे में बताया। कहा कि किसी कारणवश उच्च शिक्षा से वंचित लोग अब घर बैठे ही शैक्षिक योग्यता बढ़ा सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए दूरस्थ शिक्षा अभियान वरदान है। बताया कि 2005 में स्थापित विवि गांवों तक अध्ययन केंद्रों के जरिए शिक्षा का प्रसार कर रहा है। वर्तमान में 150 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जिनमें परंपरागत, व्यावसायिक कोर्स शामिल हैं। मौके पर ग्राम प्रधान सरोप सिंह पुंडीर, भट्टोवाला के प्रधान सतीश रावत, बीडीसी मेंबर पवन पांडेय, कोमल नेगी, विनोद जुगलाण, कुंवर सडियाल, तुलसा देवी, उषा क्षमानियाल, सरिता रणाकोटी आदि मौजूद थे।

15

दैनिक जागरण देहरादून, 29 नवंबर 2014

दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्य की जानकारी दी

- उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से अध्ययन केंद्रों में गोष्ठी आयोजित
- 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' अभियान के तहत दी गई जानकारी

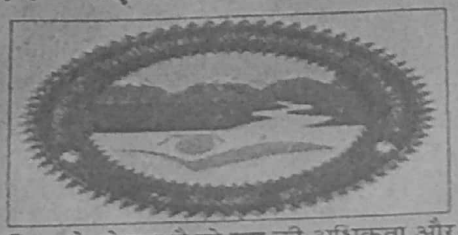

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' अभियान कार्यक्रम के तहत लोगों को मुक्त विवि की ओर से संचालित पाठ्यक्रमों व दूरस्थ शिक्षा के उद्देश्य की जानकारी दी गई।

शुक्रवार को उत्तराखंड मुक्त विवि के ऋषिकेश क्षेत्र के शिक्षण केंद्रों में गोष्ठियों का आयोजन किया। एसीएमटी ऋषिकेश व नालंदा शिक्षण संस्थान खदरी शिक्षण केंद्रों में गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। एसीएमटी में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि दायित्वधारी रमेश उनियाल ने कहा कि उच्च शिक्षा वर्तमान समय की जरूरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया। विवि के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा का उद्देश्य ऐसे लोगों को उच्च शिक्षा से जोड़ना है जो उम्र की अधिकता और नौकरी के चलते उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विवि द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर बैठे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विवि की ओर से संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए इनका लाभ लेने का आह्वान किया। इस दौरान एसीएमटी के निदेशक शिव प्रसाद घिल्डियाल, राम प्रसाद घिल्डियाल आदि उपस्थित थे।

उधर, नालंदा शिक्षण संस्थान में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी गोष्ठी में शिरकत की। इस दौरान ग्राम प्रधान सरोप सिंह पुंडीर, विद्यालय के प्रबंधक महावीर उपाध्याय, सतीश रावत, पवन पांडेय, कोमल सिंह नेगी, विनोद जुगरान, श्रीकांत रतूड़ी, राजेश पयाल आदि उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान • देहरादून • शनिवार • 29 नवम्बर 2014

नौकरी के साथ-साथ पूरी करें उच्च शिक्षा

ऋषिकेश। यदि आप नौकरी पेशा हैं और किन्हीं कारणों से अपनी उच्च शिक्षा पूरी न कर पाए हों तो उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से रोजगार में बने रहते हुए आप अपनी अधूरी शिक्षा पूरे कर सकते हैं।

उत्तराखंड मुक्त विवि के 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को एसीएमटी संस्थान में आयोजित कार्यशाला में विवि के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि विवि उत्तराखंड के शहर से लेकर गांव तक अपने अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से नौकरी पेशा लोगों को उच्च शिक्षा प्रदान करने की सुविधा दे रहा है। विवि में लगभग 150 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिसमें व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी हैं। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष रमेश उनियाल ने मुक्त विवि के पाठ्यक्रमों की सराहना की।

इस अवसर पर एसीएमटी संस्थान के निदेशक शिवप्रसाद घिल्डियाल, ज्योति उनियाल, संजय दत्त रयाल, छात्रा प्राची, पूजा, केशव, नवनीत, सुभम, अंकित, सरोज, अजय, सरस्वती, प्रियंका, रितु, प्रियंका, वीरज, रिया, मीनाक्षी, विजय लक्ष्मी, गोरी, राधा, आशा, गंगेश उनियाल, त्रिलोक सिंह, मंजू और मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

दूरस्थ शिक्षा की जानकारी देते वक्ता।

लोगों ने जानीं दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता

ऋषिकेश (एसएनबी)। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से ऋषिकेश व खदरी स्थित अध्ययन केंद्रों में 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत गोष्ठियां आयोजित की गईं। इनमें लोगों को दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता और मौजूदा स्थिति के बारे विस्तार से जानकारी दी गई।

> ■ उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से ऋषिकेश व खदरी स्थित अध्ययन केंद्रों में 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत की गई गोष्ठी आयोजित

शुक्रवार को रेलवे रोड स्थित [illegible] अध्ययन केंद्र में मुख्य अतिथि [illegible] ने गोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में उच्चशिक्षा हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से इस दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। विवि के जनसंपर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने दूरस्थ शिक्षा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विवि द्वारा विभिन्न पारंपरिक व व्यावसायिक विषयों में लगभग 150 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

खदरी में नालंदा शिक्षण संस्थान में आयोजित गोष्ठी में छात्रों, जनप्रतिनिधियों व शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सैकड़ों लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर प्रधान [illegible] सिंह पुंडीर, सतीश रावत, कमल पांडेय, [illegible] सिंह [illegible], विनोद जुगलान, कुंवर सिंह [illegible], तुलसी देवी, उमा [illegible], सरिता [illegible], रामप्रसाद [illegible] आदि मौजूद थे।

सैनी, आइएच अंसारी, एस शर्मा, मुकेश चौहान आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा की जानकारी दी

विकासनगर। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से छात्रों को उच्च शिक्षा से जुड़ी जानकारी दी गई। जनसंपर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने आशाराम वैदिक इंटर कालेज, जीआईसी हरबर्टपुर, कालसी, साहिया समेत अन्य स्कूलों में छात्रों को विश्वविद्यालय के कोर्सों के बारे में बताया।

उत्तराखंड मुक्त विवि ने छात्र-छात्राओं को दी कॅरियर संबंधी जानकारी

* मुक्त विश्वविद्यालय ने कराई कई विद्यालयों में कॅरियर काउंसिलिंग

संवाद सहयोगी, विकासनगर : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने गुरुवार को पछवादून की शैक्षणिक संस्थाओं में छात्र-छात्राओं को कॅरियर काउंसलिंग कराई गई। काउंसिलिंग के माध्यम से छात्र-छात्राओं को इंटर परीक्षा पास करने के बाद रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने की सलाह दी गई।

राजकीय इंटर कॉलेज हरबर्टपुर में की गई कॅरियर काउंसिलिंग में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के काउंसलर डॉ. राकेश रयाल ने कहा कि छात्र-छात्राएं अक्सर परिवार वालों के दबाव या अन्य सहपाठियों की देखा देखी विषय का चयन करते है, जिससे कई बार रुचि का विषय न होने चलते उबाऊ लगने लगता है और छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पाता। उन्होंने कहा कि विषय का चयन ही भविष्य का रास्ता तय करता है। छात्र-छात्राओं को भेड़चाल के बजाय रोजगार परक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए व सरकारी नौकरी पर निर्भर न रहते हुए खुद के रोजगार के साधन तलाशने चाहिए।

डॉ रयाल ने कहा कि इसके लिए छात्रों को शिक्षकों की मदद लेनी चाहिए, शिक्षक प्रत्येक छात्र की मानसिक योग्यता से परिचित रहता है। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय ने आशाराम वैदिक इंटर कॉलेज व सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भी कॅरियर काउंसिलिंग शिविर आयोजित किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आरएस राणा, अनिल नेगी, अब्बल सिंह तोपाल, एके सिंह, आरके सिंह, सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा के लिए किया जागरूक

चलाया अभियान

विकासनगर | कार्यालय संवाददाता

* उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने पछुवादून के स्कूलों में की छात्रों की काउंसिलिंग
* विवि में चल रहे कोर्सों के बारे में भी छात्र-छात्राओं को बताया

उच्च शिक्षा के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने अभियान शुरू किया है। विश्व विद्यालय की जन संपर्क विभाग की टीम ने पछुवादून के विभिन्न इंटर कॉलेजों में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग की।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने राज्य में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार और युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया है। इसके लिए विश्वविद्यालय की टीमें राज्य भर के इंटर कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित कर रही है। विश्वविद्यालय की टीम ने गुरुवार को [illegible] कॉलेज विकासनगर, राइंका कालसी, राइंका [illegible] में इंटर के छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया।

इंटरमीडिएट के छात्रों से विभिन्न कॉलेजों में काउंसिलिंग के दौरान जन संपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने कहा कि इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्र-छात्राओं के पास भविष्य की दिशा और दशा निर्धारित करने का प्रश्न [illegible] है। ऐसे में कई छात्र-छात्राएं [illegible] उच्च शिक्षा [illegible] लेकिन भारी भरकम फीस के कारण वे उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेने से वंचित रह जाते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा देने के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय ऐसी परिस्थितियों में छात्र-छात्राओं को बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम, बीएससी, एमएससी, में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों एमएसडब्ल्यू, एमए शिक्षा शास्त्र, बीएड, एमएड, एलएलबी, एलएलएम, बीबीए, एमबीए, एमसीए, एचएम, पत्रकारिता आदि पाठ्यक्रमों से लाभान्वित कर सकता है। जन संपर्क विभाग की टीम ने उच्च शिक्षा आप के द्वार कार्यक्रम के तहत इंटर कॉलेज के शिक्षकों, शिक्षिकाओं, प्रधानाचार्य से इस मुहिम में जुड़ने की अपील की। इस मौके पर [illegible] मौजूद रहे।

नवगठित कैंट में 242 में

Report of Promotional Tour (Regional Center- Haldwani)

(26th November 2014 to 29th November 2014)

Team Leader: Dr. Ranju Joshi Pandey

Team Members: Dr. Preeti Bora and Dr. Pooja Juyal

Day 1: Place visited: Rudrapur and Gadarpur

Visit to SBS PG College, Rudrapur

The team met Mr. Y. K. Sharma, the coordinator of the study center. We addressed undergraduate students of Science, Arts and Commerce stream. We also visited their study center and saw that the center is well established and maintained. They had all the necessary facilities like counseling room, practical labs and library for the students. They had also setup the Eduset classroom. They have more than 150 students enrolled in the center and presently the admissions are going on.

Visit to Oxford Academy, Kichha By pass Road, Industrial Estate, Rudrapur

The coordinator of the study center is Mr. Vinit Kumar Joshi. The study center has a total of 35 enrolled students who had gone for the industrial training during our visit. Only the students of Hotel Management were enrolled there and the center had the entire necessary infrastructure for them.

Visit to Uttarakhand Institute of Information Technology and Management, Bhagat Singh Chowk, Rudrapur

The coordinator of this study center is Ms. Sana Khan and this center is offering all the courses of UOU except M. Ed. A total of around 150 students are enrolled through this center. On visiting the center we found that the center is lacking the necessary infrastructure for the courses. Although the center is offering B. Sc. and M. Sc. courses but no labs were there for conducting the practicals. Also there was not enough space for conducting the counseling sessions for the students.

Visit to Unity Law College, Kashipur Road, Rudrapur

In this study center we met Dr. U. C. Joshi, the coordinator of the center. They had around 45 previously enrolled students and presently the admissions are running there with around 10 new students. The college had a very good infrastructure and they are mainly focusing on admissions of students interests in law courses. We also had an interactive meeting with the counselors there.

Visit to Late Ratikant Biswas Memorial School, Gadarpur

We had a meeting with Mr. Omiyo Kumar who is the coordinator of that center. They were having a total of 176 students of BA, MA, MSW, B.Com, M.Com and BAPP collectively and presently 40 students are enrolled in that center. The infrastructure was found to be satisfactory. As this center was having intermediate students so we addressed them too and gave them the information about UOU and the courses running in the university.

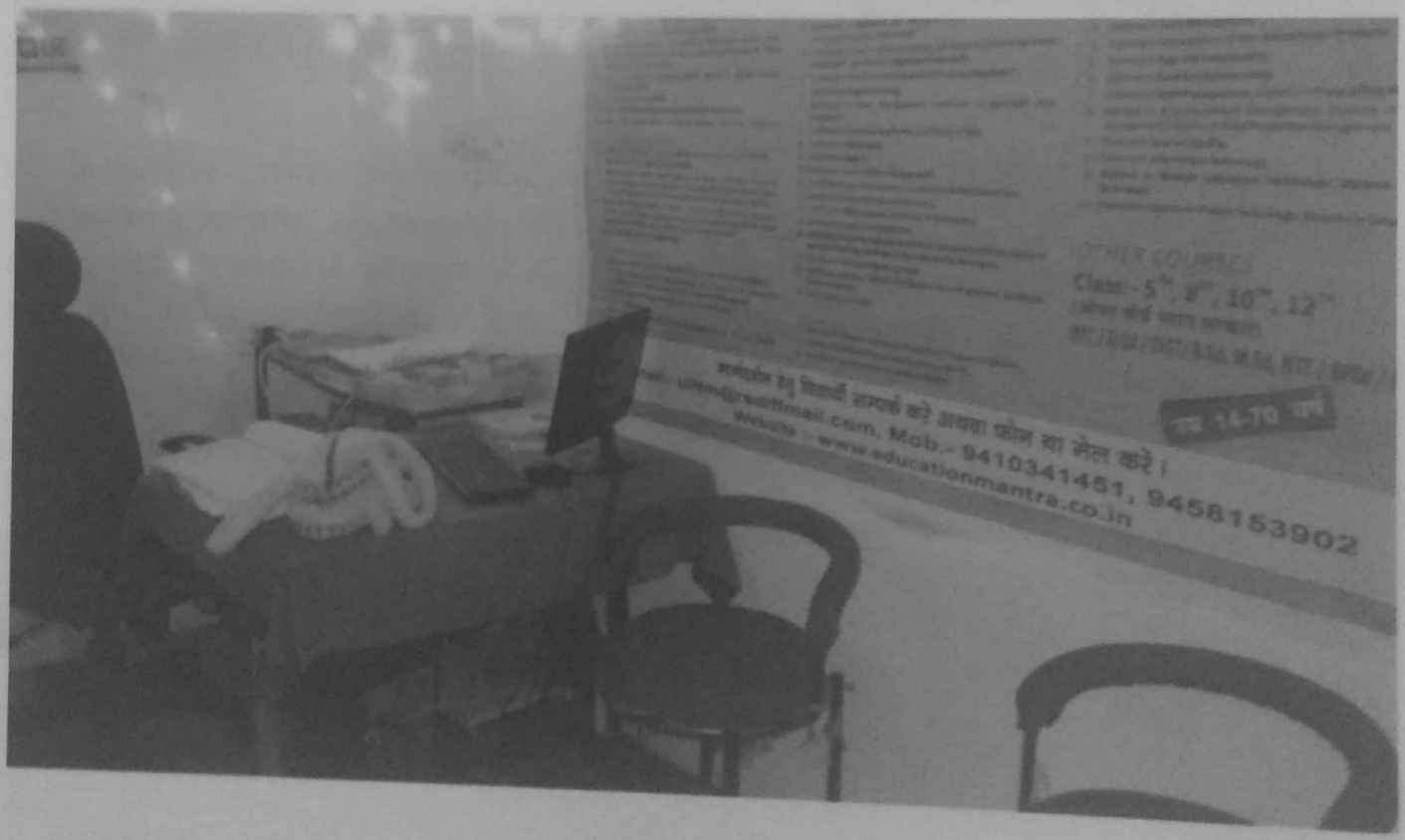

Day 2: Place visited: Ramnagar, Kashipur and Bajpur

Visit to Govt. PG College, Ramnagar

We met Mr. Vikas Dubey, Asstt. Coordinator of the center. We had interactive sessions with the students of B.Sc., B. Com and BA students in which we gave them information about the courses running in the university pertaining to their field.

Visit to Renaissance College of Hotel Management and Catering Technology, Peerumdara, Ramnagar

We met the coordinator of the center, Mr. Asif Hussain. The college infrastructure was found to be satisfactory and a total of 77 students were enrolled in the college. The students had

gone for the industrial training and presently 13 students are admitted in the current session. We had a meeting with the counselors there and visited the practical labs of that center.

Visit to Govt. PG College, Kashipur

At Kashipur PG College we met Mr. Vinod Kumar who is the coordinator of the cente Although we had a scheduled interactive session with the students on that day but due to th protests related to the death of little girl Kashish at Haldwani, all the institutes along with th PG College got closed and we got our session cancelled.

Visit to Vision Institute of Management and Technology, Bajpur

At this center we had a meeting with the coordinator, Mr. Dharamveer Sharma. They had the entire necessary infrastructure needed for the courses running in their center. A total of 30 previously enrolled students were there and with 10 new students admitted the admissions are running currently. We met a girl Miss Ruby at this center who had her residence nearby Madarsa. She told us that few people attending Madarsa are interested in Urdu courses of our university. We had a discussion with her and gave her the brochure of UOU so that she could give the necessary information to them and distribute the brochures over there.

Day 3: Place visited: Kicchha, Sitarganj

Visit to Sant Baba Fauja Singh Degree College, Nanakpuri, Kicchha

We had a meeting with DR. N. P. Singh who is the coordinator of the center. They have 45 students of BA, MA and B.Com in their center and presently they have 17 students enrolled till now. They have very good infrastructure facility and on visiting their center we came to know that they have well established science labs too and they are interested in having B.Sc and M.Sc courses of the university. We found that it could a good learning center for students with science and we advocate their center for having university courses of science too at their study center.

They are also running inter colleges affiliated to CBSE and UK board. So we requested them to allow us to have an interactive session with their intermediate students. They arranged this session collectively for both CBSE and UK board students where we gave them the information of all the university courses.

Visit to Adiya Yoga Naturopathy Hospital and Research Institute, Haldwani Bypass Road, Kicchha

At this center we met Mr. Kamal Sachdeva. We could not meet the coordinator, Mr. D. N. Sharma as he was out of station but we had a talk with him telephonically and he gave the information about the center and the students. They have around 66 students of Yoga and Naturopathy in their center from all over India. The facilities and infrastructure at this center were found to be satisfactory.

Visit to Greenwood Public School, Sitarganj

We met Mr. Jeevan Singh and Dr. Sulochana Parwal at this center. The courses of UOU running in this center are BA, MA, BCom, MCom, MSW and MBA and they have a total of 50 old and 5 new admitted students.

Visit to Sampurnanand Shivir Jail Campus, Sitarganj

The coordinator of this center is Mr. Manoj Arya. As he has newly joined at this place so he was not fully aware about the university courses and admissions at this campus. We gave them all the necessary information related to the university and gave them the brochures too.

Day 4: Place visited: Khatima, Tanakpur

Visit to HNB Govt PG College, Khatima

We met Mr. Pankaj Kumar, the coordinator of this center. In this center we had an interactive session with BA and B.Sc students and told them about the university courses.

Visit to Shiksha Bharti Inter College, Khatima

We met Mr. Vinay Pandey at this center. This center found to have well established infrastructure. We had a meeting with the counselors too. As it is an inter college so we asked Mr. Vinay to allow us to address intermediate students so that we could provide them the details of the courses offered by the university.

- **Visit to Poornagiri College of Education, Jhankat**

The coordinator of this center is Mr. Hira Singh. The center is offering BA, MA, B.Com, M.Com, B.Sc, M.Sc and PGDDM courses. They were having a total of 150 old and 10 new admissions at their center. Although the college has satisfactory infrastructure for counseling but they are not conducting any practicals and counseling sessions for students of science and disaster management. For the practicals and counseling they used to send their students to HNB PG College, Khatima and MBPG College Haldwani.

** We were provided 50 prospectus from the university for the study centers in case they need them for admission of new students. On the completion of the promotional tour all the 50 prospectus were given to the centers and a total amount of Rs. 5000 was collected by them which was deposited in accounts section of UOU.

Feedback from the Study Centers

On meeting with the coordinators of the study centers we found that they have some queries and problems related to university which are as follows:

- They have problems in having contact with the University for their Queries. They said that they could not connect the toll free number provided by the university and whenever they have problems and queries they don't get a satisfactory response. This puts them in troubles as their students pressurize them for the resolutions of their problems which could only be solved when they have proper information from the university personnels.
- They request us to provide the SLM timely to them so that they can give it to their students in time.

(2)

संलग्नक - क

विश्वविद्यालय प्रचार–प्रसार हेतु भ्रमण स्थल एवं भ्रमण टीमों का विवरण

क्र0 सं0	क्षेत्र मुख्यालय	भ्रमण स्थान	टीम प्रमुख	टीम के सदस्य
1	हल्द्वानी	चोरगलिया, टनकपुर, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, रूद्रपुर, काशीपुर, बाजपुर, रामनगर ।	डॉ0 रन्जू पाण्डेय	डॉ0 प्रीती बोरा, कु0 तन्वी शर्मा, डॉ0 रूपाली ~~शर्मा~~ तोरी
2	रानीखेत	रानीखेत, मासी, भिखियासैण, स्यालदे, सल्ट एवं देहघाट।	डॉ0 राजेन्द्र कैडा	डॉ0 घनश्याम जोशी डॉ0 श्याम कुंजवाल
3	बागेश्वर	गरूड़, शामा, भराड़ी, कपकोट, कौसानी, सोमेश्वर, ताकुला।	डॉ0 चारू चन्द्र पंत	श्री विरेन्द्र बिरखानी, श्री राजेन्द्र क्वीरा
4	पिथौरागढ़	कनालीछीना, सतगढ़, आगेला, नारायणनगर, डीडीहाट, मुन्स्यारी, मदकोट, बरम, जौलजीवी, धारचूला।	डॉ0 कमल देवलाल	श्री ललित मोहन भट्ट , श्री राजेश आर्य
5	पौड़ी	नैखरी, देवप्रयाग, सबदरखाल, यमकेश्वर, रांठ, लैंसडाउन, कोटद्वार।	श्री सिद्धार्थ पोखरियाल	श्री नरेन्द्र जगूड़ी, श्री सुमित कुमार
6	उत्तरकाशी	मोरी, पुरोला, बड़कोट–नौगांव, चिन्यालीसौड़, नई टिहरी, घनसाली।	डॉ0 सुभाष रमोला	श्री राजीव राणा
7	देहरादून	चकराता, मसूरी, हरबर्टपुर, कालसी, विकास नगर, डोईवाला, ऋषिकेश ।	डॉ0 राकेश रयाल	देहरादून परिसर से एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी
8	रूड़की	मंगलौर, नारसन, पुरकाजी, बहादराबाद, भगवानपुर, बिहारी गढ़ आदि सीमांत क्षेत्र।	डॉ0 विरेन्द्र कुमार	डॉ0 दिनेश कुमार, डॉ0 अख्तर अली

17/11/14

(1)

Office of the Vice Chancellor

No.VC/OSD/MEMO/750 Dated: November 7, 2014

Office Memo

The following committee is hereby constituted for organizing promotional tours of the university teams to different regions of Garhwal and Kumaon Divisions for image building of university and promoting admissions of the students:

1. **Dr.M.M.Joshi, Asstt.Prof. History - Convener**
2. **Dr.Surya Bhan Singh, Asstt.Prof.Pol.Sci. Member**
3. **Dr.Rakesh Rayal, PRO** ,,

The committee will to plan and form the university teams of the academic staff immediately so that the teams concerned start to undertake the promotional tours from 15th November 2014 onwards.

This issues with the approval of Hon'ble Vice Chancellor.

(P.C.Papnai)
OSD to Vice Chancellor

Cc: All Directors of Schools
Cc: Registrar
Cc: Finance Controller
Cc: Dr.M.M.Joshi- convener of the committee
Cc: Dr.Surya Bhan Singh
Cc: Dr.Rakesh Rayal